संयम ◆संस्कार ◆संतुलन

R.N.I. No.-UPHIN/2004/22466

शहर समता

वर्ष-22 अंक- 229
पृष्ठ 8
शनिवार
09 मई 2026
प्रातः संस्करण
हिन्दी दैनिक
प्रयागराज
मूल्य-1.00

प्रयागराज से प्रकाशित Email : shaharsamta@gmail.com Website : https://Shaharsamta.com

सम्पादक-उमेश चन्द्र श्रीवास्तव

विविध- प्रेग्नेंसी में कब्ज की वजह से...

विचार- धरती की जीवनदायिनी क्षमताओं...

खेल- वेपिंग-हनीट्रैप को लेकर चेतावनी...

विधायक दल की बैठक के बाद अमित शाह बोले-

जहां मन भय मुक्त हो, सिर गर्व से ऊंचा हो, ऐसे बंगाल का रास्ता प्रशस्त हो चुका है

नई दिल्ली,एजेंसी। पश्चिम बंगाल में भाजपा को मिले प्रंचड बहुमत के बाद शुक्रवार को शुभेंदु अधिकारी पार्टी के विधायक दल के नेता चुने गए। वह राज्य के अगले मुख्यमंत्री होंगे। गृह मंत्री अमित शाह ने उनके नाम का एलान किया। नाम के एलान के बाद विधायक दल को संबोधित करते हुए अमित शाह ने कहा, इतना बड़ा विधायक दल देखकर मन, आत्मा, शरीर, सबके अंदर खुशी की लहर उठती है। मैं दोनों हाथ जोड़कर जिम्मेदारी के साथ बंगाल की जनता को कोटि–कोटि धन्यवाद देना चाहता हूं। अमित शाह ने कहा जिस तरह का मौहाल सीपीआईएम के समय से यहां बनाया जाता था, ममता ने इसे और गहरा भय में बदला। वहां मत की अभिव्यक्ति लगभग असंभव थी। सैंकड़ो उदाहरण हिंसा के, क्रूरता के थे। उसके बीच भाजपा पर भरोसा करके बंगाल की जनता को प्रचंड विजयी देने के लिए धन्यवाद। बंगाल की जनता ने जो अपेक्षाएं रखी हैं, हम पूरी कोशिश करेंगे कि आपके भरोसे को थोड़ा भी ठेस न पहुंचे। अमित शाह ने कहा हम सब भारतीय जनता पार्टी के कार्यकर्ताओं का दायित्व है, हम जनता की आकांक्षाओं को पूरा करें। अमित शाह ने आगे कहा, त्रिपुरा में हमारी सरकार है, असम में भाजपा सरकार है अब बंगाल में भी भाजपा की सरकार है। अब घुसपैठ असंभव होने वाली है, गौ तस्करी असंभव होने वाली है। दृढ़ता के साथ बंगाल सरकार और भारत सरकार इस क्षेत्र को सुरक्षा के अभेद्य किले के रूप में परिवर्तित करेगी।

अमित शाह ने ममता बनर्जी पर निशाना साधते हुए कहा, भवानीपुर की जनता का भी बहुत बहुत धन्यवाद। शुभेंदु ने पिछले चुनाव में नंदीग्राम में हराया था। दीदी इस बार तो सुवेंदु दा ने आपको आपके घर में हराया है। भवानीपुर की जनता का दिल से धन्यवाद। इस जीत का महत्व पार्टी के विस्तार तक सीमित नहीं है। इसका महत्व भाजपा–एनडीए का 21वां राज्य हुआ तक सीमित नहीं है। अमित शाह ने कहा चुनाव परिणामों में राज्य के 23 प्रशासनिक जिलों में से नौ जिले ऐसे हैं, जहां दीदी का खाता नहीं खुला। सूपड़ा साफ हो गया। ऐसा जनादेश कभी नहीं देखा। उन्होंने आगे कहा कि त्रिपुरा में हमारी सरकार है, असम में भाजपा सरकार है अब बंगाल में भी भाजपा की सरकार है। अब घुसपैठ असंभव होने वाली है। गो तस्करी असंभव होने वाली है। दृढ़ता के साथ बंगाल सरकार और भारत सरकार सीमा को राष्ट्र की सुरक्षा के अभेद्य किले के रूप में परिवर्तित करेगी। शाह ने कहा, आज बंगाल की जीत अनेक लिहाज से अहम है। 100 साल की वैचारिक यात्रा के बाद गंगोत्री से गंगासागर तक, आज भाजपा की सरकार बनी है। 1950 से जिस विचार को लेकर हम निकले, श्यामा प्रसाद मुखर्जी के विचार को लेकर निकले। आज उनकी ही पार्टी की सरकार बनी। 370 हटी तो देश भर में कार्यकर्ताओं में खुशी थी। लेकिन कई कार्यकर्ताओं ने कहा था कि अभी भी एक कसक बची है। उन्होंने कहा कि बंगाल में भाजपा का झंडा फहराना है। वो भी आज पूरा हो गया। 2014 से जो यात्रा निकली, ये अभूतपूर्व यात्रा है। अपने पुरुषार्थ से, कौशल से जनमत को कैसे संजोया जा सकता है।

शुभेंदु अधिकारी होंगे बंगाल के नए मुख्यमंत्री, चुने गए विधायक दल के नेता

आज सुबह 11 बजे लेंगे शपथ

कोलकाता,एजेंसी। भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के नेता सुवेंदु अधिकारी शुक्रवार को पार्टी के विधायक दल के नेता चुने गए, जिससे पश्चिम बंगाल के अगले मुख्यमंत्री बनने का उनका रास्ता साफ हो गया। यह घोषणा कोलकाता में भाजपा के नवनिर्वाचित विधायकों की एक महत्वपूर्ण बैठक के बाद की गई, जिसमें केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह, ओडिशा के मुख्यमंत्री मोहन चरण मांझी और पार्टी की बंगाल इकाई के प्रमुख सामिक भट्टाचार्य भी उपस्थित थे। अधिकारी का शपथ ग्रहण समारोह अब शनिवार (9 मई) को सुबह 11 बजे कोलकाता के परेड ग्राउंड में होगा, जिसमें प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी, शाह, विभिन्न केंद्रीय मंत्री और राष्ट्रीय लोकतांत्रिक गठबंधन (एनडीए) द्वारा शासित कई राज्यों के मुख्यमंत्री शामिल होंगे। बंगाल की राजनीति में अधिकारी का उदय उल्लेखनीय रहा है। वे कभी तृणमूल कांग्रेस (टीएमसी) सुप्रीमो ममता बनर्जी के भरोसेमंद सहयोगी थे, लेकिन राज्य में 2021 के विधानसभा चुनावों से पहले भाजपा में शामिल हो गए थे।

तब से, अधिकारी बनर्जी के खिलाफ भाजपा के अभियान में अग्रणी भूमिका निभा रहे हैं। 2021 के चुनावों में, बनर्जी ने नंदीग्राम में अधिकारी को चुनौती दी थीय हालांकि, टीएमसी सुप्रीमो अपने सहयोगी से प्रतिद्वंद्वी बने अधिकारी से मामूली अंतर से हार गईं। 2026 के चुनावों के लिए, भाजपा नेतृत्व ने अधिकारी को नंदीग्राम और भाबनीपुर, दो सीटों से मैदान में उतारा। भाबनीपुर को बनर्जी का गढ़ माना जाता है, लेकिन अधिकारी ने लगातार दूसरी बार उन्हें 15,000 से अधिक वोटों के अंतर से हराया। भारतीय चुनाव आयोग (ईसीआई) के अनुसार, अधिकारी को 73,917 वोट मिले, जबकि बनर्जी को 58,812 वोट प्राप्त हुए। गौरतलब है कि अधिकारी पांच बार विधायक रह चुके हैं। अधिकारी ने पहली बार 2001 में पश्चिम बंगाल का चुनाव मुगबेरिया से लड़ा था, लेकिन लगभग 15,000 वोटों से हार गए थे। वे पहली बार 2006 में कांथी दक्षिण से पश्चिम बंगाल विधानसभा के लिए चुने गए थे। 2016 में उन्होंने अपनी सीट बदलकर नंदीग्राम कर ली, जिसे वे 2021 में बरकरार रखने में सफल रहे। 2026 में, उन्होंने नंदीग्राम और भाबनीपुर से चुनाव लड़ा और दोनों में जीत हासिल की। इसके अलावा, अधिकारी दो बार लोकसभा सदस्य भी रह चुके हैं। वे पहली बार 2009 में तामलुक से लोकसभा के लिए चुने गए थे। 2014 के संसदीय चुनावों में भी वे इस सीट पर अपना कब्जा बरकरार रखने में सफल रहे।

कर्नल कुरैशी विवादः सुप्रीम कोर्ट ने एमपी सरकार को लगाई फटकारा

नई दिल्ली,एजेंसी। सुप्रीम कोर्ट ने शुक्रवार को मध्य प्रदेश सरकार द्वारा आदिवासी मामलों के मंत्री कुंवर विजय शाह पर मुकदमा चलाने की मंजूरी देने के फैसले में हुई देरी पर नाराजगी जाहिर की। यह मामला भारतीय सेना की अधिकारी कर्नल सोफिया कुरैशी के खिलाफ शाह की विवादित टिप्पणियों से जुड़ा है। कर्नल कुरैशी ने पिछले साल श्ऑपरेशन सिंदूरश के दौरान मीडिया को जानकारी दी थी। मुख्य न्यायाधीश (सीजेआई) सूर्यकांत और जस्टिस जॉयमाल्य बागची की बेंच ने राज्य सरकार से सवाल किया कि उसने सुप्रीम कोर्ट के पिछले निर्देश का पालन क्यों नहीं किया, जिसमें उसे दो हफ्तों के भीतर मंजूरी देने पर फैसला लेने को कहा गया था। सीजेआई सूर्यकांत ने टिप्पणी करते हुए कहा कि अब बस हमारे आदेश का पालन करें। बहुत हो चुका। सुप्रीम कोर्ट के सामने पेश हुए सॉलिसिटर जनरल तुषार मेहता ने कहा कि शाह की टिप्पणियां श्दुर्भाग्यपूर्णश थीं और सुझाव दिया कि मंत्री का इरादा शायद कर्नल कुरैशी की तारीफ करना था, लेकिन वे अपनी बात ठीक से कह नहीं पाए। सॉलिसिटर जनरल (एसजी) मेहता ने कहा, ष्उन्होंने जो कहा, वह निश्चित रूप से दुर्भाग्यपूर्ण था। हो सकता है कि वे महिला अधिकारी की तारीफ करना चाहते हों लेकिन वे अपनी बात ठीक से कह नहीं पाए और कुछ और ही कह बैठे। उन्होंने यह भी साफ किया कि यह उनका निजी विचार था, न कि मध्य प्रदेश सरकार का पक्ष।

हालांकि, सीजेआई सूर्यकांत की अध्यक्षता वाली बेंच इस बात से सहमत नहीं हुई। सुप्रीम कोर्ट ने टिप्पणी की कि यह सिर्फ दुर्भाग्यपूर्ण नहीं था। यह बेहद दुर्भाग्यपूर्ण था। जब एसजी मेहता ने फिर दोहराया कि शाह से शायद गलती से कुछ निकल गया हो, तो पीठ ने कहा कि राजनेता आम तौर पर अपने सार्वजनिक बयानों में काफी सावधान और अपनी बात कहने में माहिर होते हैं। सुप्रीम कोर्ट ने कहा कि एक राजनेता होने के नाते, उन्हें पता है कि अपनी बात कैसे कहनी है और महिला अधिकारी की तारीफ कैसे करनी है। अगर यह सचमुच जुबान फिसलने की वजह से हुआ होता, तो इसके तुरंत बाद माफी भी मांगी गई होती। सुप्रीम कोर्ट ने अदालत द्वारा नियुक्त विशेष जांच दल (एसआईटी) की ओर से पेश की गई स्टेटस रिपोर्ट का भी जिक्र किया और कहा कि रिपोर्ट से पता चलता है कि शाह को इस तरह की टिप्पणियां करने की आदत है।

कनिमोझी ने स्पीकर से मांगी अलग सीट

नई दिल्ली,एजेंसी। डीएमके की लोकसभा सांसद कनिमोझी ने लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला को पत्र लिखकर तमिलनाडु में कांग्रेस के साथ डीएमके के गठबंधन के टूटने के बाद सदन में डीएमके सांसदों के बैठने की व्यवस्था में बदलाव की मांग की है। अपने पत्र में कनिमोझी ने कहा कि बदली हुई राजनीतिक परिस्थितियों और डीएमके–कांग्रेस गठबंधन के समाप्त होने के मद्देनजर, डीएमके सदस्यों का लोकसभा में कांग्रेस सांसदों के साथ बैठना उचित नहीं होगा। उन्होंने अनुरोध किया कि डीएमके संसदीय दल के सदस्यों को अपनी जिम्मेदारियों को प्रभावी ढंग से निभाने में सक्षम बनाने के लिए उनके लिए अलग से बैठने की व्यवस्था की जाए। यह कदम तमिलनाडु में विधानसभा चुनावों के बाद बदलते राजनीतिक समीकरणों के बीच आया है, जिसमें टीवीके सबसे बड़ी पार्टी बनकर उभरी। कांग्रेस ने टीवीके को समर्थन देते हुए डीएमके के साथ अपना दीर्घकालिक गठबंधन समाप्त कर दिया है। तमिलनाडु विधानसभा चुनाव में मिली करारी हार को लोकतंत्र की एक सामान्य घटना करार देते हुए द्रमुक ने बुधवार को कहा कि उसने अपने लंबे राजनीतिक इतिहास में कई उतार–चढ़ाव देखे हैं।

संजय राउत पर भाजपा का हमला, कहा- देश की छवि खराब कर रहे विपक्षी नेता

नई दिल्ली,एजेंसी। शिवसेना (यूबीटी) नेता संजय राउत की ओर से अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप को संबोधित सोशल मीडिया पोस्ट पर भारतीय जनता पार्टी ने तीखी प्रतिक्रिया दी है। भाजपा ने राउत को भारतीय राजनीति का जोकर बताते हुए उन पर भारत की छवि को अंतरराष्ट्रीय स्तर पर खराब करने का आरोप लगाया। भाजपा प्रवक्ता शहजाद पूनावाला ने वीडियो संदेश जारी कर कहा कि संजय राउत और कांग्रेस नेता राहुल गांधी प्रधानमंत्री मोदी के विरोध में देश की छवि खराब करने का काम कर रहे हैं। पूनावाला ने कहा कि संजय राउत भारतीय राजनीति के जोकर हैं। वह और राहुल गांधी घरेलू राजनीतिक लड़ाई के लिए भारत की छवि खराब करने की सुपारी लेकर बैठे हैं। मोदी विरोध में ये लोग देश का विरोध कर रहे हैं। उन्होंने दावा किया कि दुनिया भर में भारतीय लोकतंत्र की सराहना हो रही है, लेकिन विपक्ष चुनावी प्रक्रिया को लेकर झूठे नैरेटिव फैलाने में जुटा है। पूनावाला ने कहा कि पश्चिम बंगाल चुनाव में भाजपा के प्रदर्शन पर दुनिया भर से प्रतिक्रियाएं आ रही हैं और खबरों के मुताबिक ट्रंप ने भी भाजपा को बधाई दी है। भाजपा प्रवक्ता ने विपक्षी दलों पर आरोप लगाया कि जब भी चुनाव परिणाम उनके पक्ष में नहीं आते, तब वे संवैधानिक संस्थाओं की विश्वसनीयता पर सवाल उठाने लगते हैं। दरअसल, पश्चिम बंगाल विधानसभा चुनाव के नतीजों को लेकर राउत ने शुक्रवार को एक्स पर एक पोस्ट किया था। इस पोस्ट में उन्होंने उन खबरों पर सवाल उठाए, जिनमें दावा किया गया था कि ट्रंप ने चुनाव में भाजपा की जीत पर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को बधाई दी है। राउत ने कहा कि पश्चिम बंगाल चुनाव भारत के संघीय लोकतंत्र का आंतरिक मामला है और किसी बाहरी नेता की ओर से इस तरह की प्रतिक्रिया समय से पहले और अनुचित प्रतीत होती है। राउत ने चुनाव प्रक्रिया को लेकर गंभीर चिंताएं भी जताईं। उन्होंने आरोप लगाया कि चुनाव के दौरान डर, दबाव और प्रशासनिक पक्षपात की शिकायतें सामने आईं। उन्होंने कहा कि चुनाव आयोग निष्पक्ष तरीके से काम करता नहीं दिखा और उसकी कार्यप्रणाली भाजपा के पक्ष में नजर आई, जिससे संस्थागत निष्पक्षता पर सवाल खड़े हुए। उन्होंने केंद्रीय बलों की तैनाती को लेकर भी सवाल उठाए और आरोप लगाया कि इससे मतदाताओं में भरोसा पैदा होने के बजाय दबाव का माहौल बना। राउत ने तृणमूल कांग्रेस प्रमुख ममता बनर्जी द्वारा उठाए गए मुद्दों का हवाला देते हुए कहा कि चुनावी प्रक्रिया की निष्पक्षता को लेकर जो चिंताएं सामने आई हैं, उन्हें नजरअंदाज नहीं किया जा सकता। राउत ने अपने पोस्ट में कहा कि लोकतंत्र केवल चुनाव कराने तक सीमित नहीं है।

पंजाब में ड्रग्स वाली तबाही पर सीजेआई सूर्यकांत ने भी जताई चिंता, बोले

केंद्र सरकार के दखल की जरूरत पड़ सकती है लेकिन

नयी दिल्ली,एजेंसी। देश के मुख्य न्यायाधीश जस्टिस सूर्यकांत ने पंजाब में ड्रग्स की बढ़ती समस्या

पर गंभीर चिंता जताई है और राज्य में केंद्र की दखल की जरूरत बताई है। हालांकि ऐसे कदम उठाने से पहले सीजेआई ने केंद्र सरकार को भी ताकीद किया है कि वह यह न समझे कि वह दखलंदाजी कर रहा है बल्कि हम सबका साझा लक्ष्य नशे की समस्या पर लगाम लगाना होना चाहिए। शुक्रवार को इससे जुड़े एक मामले की सुनवाई करते हुए सीजेआई सूर्यकांत ने टिप्पणी की, शायद केंद्र सरकार के दखल की जरूरत पड़ सकती है लेकिन जब वे दखल दें, तो ऐसा न सोचें कि केंद्र दखलंदाजी कर रहा है। हमारा साझा लक्ष्य नशे की समस्या पर लगाम लगाना होना चाहिए। सीजेआई की यह चिंता और केंद्र को यह नसीहत इसलिए भी अहम है क्योंकि अगले साल पंजाब में विधानसभा चुनाव होने हैं। सीजेआई ने आगे कहा, देखिए हम क्या पढ़ रहे हैं। एक माँ रो रही है। उसने नशे की वजह से अपना पाँचवाँ बेटा खो दिया है। उसने नशे की लत के कारण अपने सभी बच्चे खो दिए। पुलिस को संवेदनशील बनाने की जरूरत है। हम जानते हैं कि किसे गिरफ्तार किया जा रहा है और किसे छोड़ा जा रहा है। ड्रग्स के मामलों में बढ़ोतरी इतनी चिंताजनक है कि स्थिति पर फिर से विचार करने की जरूरत है। उन्होंने कहा, "मैं यह सुनिश्चित करूँगा कि सभी हाई कोर्ट को NDPS कोर्ट बनाने में मदद दी जाए।" इसके साथ ही चीफ जस्टिस ने ड्रग्स के खेल में बड़े माफियाओं और प्रभावशाली लोगों पर भी नकेल कसने की वकालत की। उन्होंने दो टूक कहा, ड्रग्स रैकेट में शामिल बड़े मगरमच्छों या प्रभावशाली लोगों को गिरफ्तार किया जाना चाहिए। समस्या यह है कि आप किसी छोटे–मोटे आदमी को पकड़ लेते हैं और पुलिस को अखबारों में पब्लिसिटी मिल जाती है। उन्होंने कहा कि लुधियाना अब ड्रग्स का केंद्र बनता जा रहा है। बता दें कि CJI सूर्यकांत पहले भी पंजाब में नशे की बढ़ती समस्या पर गहरी चिंता जता चुके हैं। पिछले साल 6 दिसंबर 2025 को जब पंजाब राज्य विधिक सेवा प्राधिकरण द्वारा "Youth Against Drugs" (नशे के खिलाफ युवा) अभियान शुरू किया गया था तब इसका उद्घाटन करते हुए उन्होंने पंजाब में नशे की समस्या को एक गंभीर खतरा बताया था।

टीआरई 4 अभ्यर्थियों पर चला पुलिस का डंडा,मांगी नौकरी मिली लाठी!

पटना,एजेंसी। पटना में TRE 4 के विज्ञापन जारी करने और बीपीएससी नियमावली में बदलाव की मांग को लेकर प्रदर्शन कर रहे अभ्यर्थियों पर पुलिस कार्रवाई हुई है। पटना कॉलेज से निकाला गया विरोध मार्च जब जेपी गोलंबर पहुंचा, तो वहां बड़ी संख्या में जुटे हजारों अभ्यर्थियों और पुलिस के बीच तनाव की स्थिति बन गई। इसी दौरान प्रदर्शन कर रहे अभ्यर्थियों पर पुलिस ने लाठीचार्ज कर दिया, जिससे कई छात्र–छात्राएं घायल हो गए। छात्र नेता दिलीप के नेतृत्व में हो रहे

इस आंदोलन में अभ्यर्थी लगातार परीक्षा प्रक्रिया में देरी का विरोध कर रहे थे और जल्द विज्ञापन जारी करने की मांग कर रहे थे। छात्र पटना कॉलेज से निकलकर बिहार लोक सेवा आयोग (BPSC) के कार्यालय की ओर जा रहे थे, लेकिन उन्हें जेपी गोलंबर पर ही रोक दिया गया। इस दौरान कुछ छात्र नेताओं को भी हिरासत में लिया गया है। छात्र नेता दिलीप ने कहा कि TRE 4 के लाखों अभ्यर्थी पिछले दो वर्षों से वैकेंसी का इंतजार कर रहे हैं।

तेलियरगंज में पूर्व छात्रनेता पर बरसाई गोलियां, बाल-बाल बचे

प्रयागराज। तेलियरगंज में इलाहाबाद विश्वविद्यालय (इविवि) के पूर्व छात्रनेता व अधिवक्ता पर फायरिंग का मामला सामने आया है। आरोप है कि थार सवार तीन युवकों ने वारदात को अंजाम दिया। तेलियरगंज में इलाहाबाद विश्वविद्यालय (इविवि) के पूर्व छात्रनेता व अधिवक्ता पर फायरिंग का मामला सामने आया है। आरोप है कि थार सवार तीन युवकों ने वारदात को अंजाम दिया। शिवकुटी पुलिस थार को कब्जे में लेकर जांच में जुट गई है। बाबा चौराहा के श्रिया अपार्टमेंट निवासी पूर्व छात्र नेता व अधिवक्ता रजनीश कुमार सिंह उर्फ रिशू बुधवार रात अपने गांव बनवीपुर से लौट रहे थे। रात 11रू39 बजे जब वह शिवकुटी के तेलियरगंज कैंटोमेंट एरिया–271 गेट के पास पहुंचे तभी एक थार ने उनकी गाड़ी को ओवरटेक किया। थार में दो लोग आगे और एक युवक पीछे बैठा था। आरोप है कि ओवरटेक करते ही युवकों ने उनकी गाड़ी पर फायरिंग कर दी। इसमें वह बाल–बाल बच गए। घटना के बाद अपने साथियो के साथ थार का पीछा किया तो आरोपी कलश चौराहे के पास गाड़ी छोड़कर मौके से फरार हो गए। मामले की सूचना पुलिस को दी गई। आरोप है कि लिखित शिकायत देने के बावजूद तत्काल एफआईआर दर्ज नहीं की गई। इसके बाद उन्होंने पुलिस आयुक्त जोगेंद्र कुमार व अपर पुलिस आयुक्त डॉ. अजयपाल शर्मा से मुलाकात कर शिकायत की। तब शिवकुटी पुलिस ने एफआईआर दर्ज की। पीड़ित रजनीश सिंह ने बताया कि घटना के बाद से वह और उनका परिवार दहशत में है। उन्होंने घटना का वीडियो भी बनाया, जिसे पुलिस अधिकारियों को सौंप दिया है। वहीं, पुलिस ने थार सवार युवकों की पहचान कर ली है। एसीपी सिविल लाइंस विद्युत गोयल ने बताया कि मामले में एफआईआर दर्ज कर ली गई है। मामले का जल्द खुलासा कर दिया जाएगा। मामले में एक वीडियो भी सामने आया है। इसमें कई अधिवक्ता डॉ. अजयपाल शर्मा के पास शिकायत लेकर पहुंचे दिखाई दे रहे हैं। वीडियो में अपर पुलिस आयुक्त संबंधित पुलिस अधिकारियों को मामले में कार्रवाई न होने पर फटकार लगा रहे हैं। जिसके बाद शिवकुटी पुलिस ने बृहस्पतिवार दोपहर आरोपियों के खिलाफ प्राथमिकी दर्ज कर ली है।

विवेचना में लापरवाही पर एसपी को विवेचना अधिकारी के खिलाफ जांच के आदेश

प्रयागराज। इलाहाबाद हाईकोर्ट ने हत्या जैसे संगीन मामले में एफआईआर दर्ज होने के छह महीने बाद भी विवेचना अधिकारी की ओर से कॉल डिटेल रिकॉर्ड (सीडीआर) प्राप्त करने का प्रयास नहीं करने पर नाराजगी जताई है। इलाहाबाद हाईकोर्ट ने हत्या जैसे संगीन मामले में एफआईआर दर्ज होने के छह महीने बाद भी विवेचना अधिकारी की ओर से कॉल डिटेल रिकॉर्ड (सीडीआर) प्राप्त करने का प्रयास नहीं करने पर नाराजगी जताई है। कोर्ट ने इसे लापरवाही मानते हुए पुलिस अधीक्षक, पीलीभीत को संबंधित विवेचना अधिकारी के खिलाफ जांच कर आवश्यक कार्रवाई करने का आदेश दिया है। यह आदेश न्यायमूर्ति अरुण कुमार सिंह देशवाल की एकलपीठ ने अतुल उर्फ छोटू की जमानत अर्जी पर दिया है। पीलीभीत के बीसलपुर कोतवाली क्षेत्र के गांव ढकिया रंजीत निवासी अनामिका गंगवार ने पति की हत्या के आरोप में अतुल के खिलाफ एफआईआर दर्ज कराई है। आरोपी ने हाईकोर्ट में जमानत के लिए अर्जी दायर की है। सुनवाई के दौरान कोर्ट ने घटना से पूर्व अनामिका व उनके पति की फोन पर हुई बातचीत की सीडीआर की उपलब्धता पर सवाल उठाए थे। पिछली सुनवाई में सरकारी वकील ने स्वीकार किया था कि केस डायरी में सीडीआर मौजूद नहीं है। इसके बाद कोर्ट ने विवेचना अधिकारी को व्यक्तिगत रूप से तलब किया था।

वर्तमान सुनवाई में विवेचना अधिकारी ने हलफनामा दाखिल कर बताया कि उन्होंने कोर्ट के पिछले आदेश के बाद 14 अप्रैल, 2026 को मोबाइल कंपनी को पत्र लिखकर विवरण मांगा है। कोर्ट ने इस देरी पर नाराजगी जताते हुए स्पष्ट किया कि विवेचना अधिकारी ने कोर्ट के हस्तक्षेप के बिना इस महत्वपूर्ण साक्ष्य को संकलित करने की जहमत नहीं उठाई। फिलहाल कोर्ट ने विवेचना अधिकारी को व्यक्तिगत उपस्थिति से छूट देते हुए मामले की अगली सुनवाई 20 मई, 2026 के लिए तय की है।

पूर्व एमएलए विजय सिंह के बेटों की गिरफ्तारी पर अंतरिम रोक

प्रयागराज। इलाहाबाद हाईकोर्ट ने पूर्व एमएलए विजय सिंह के घर में हुए विस्फोट मामले में उनके दो बेटों की गिरफ्तार पर अंतरिम रोक लगा दी है। यह आदेश न्यायमूर्ति जेजे मुनीर और न्यायमूर्ति तरुण सक्सेना की खंडपीठ ने अविनाश उर्फ विक्की और अभिषेक उर्फ सिक्की की याचिका पर दिया है। इलाहाबाद हाईकोर्ट ने पूर्व एमएलए विजय सिंह के घर में हुए विस्फोट मामले में उनके दो बेटों की गिरफ्तार पर अंतरिम रोक लगा दी है। यह आदेश न्यायमूर्ति जेजे मुनीर और न्यायमूर्ति तरुण सक्सेना की खंडपीठ ने अविनाश उर्फ विक्की और अभिषेक उर्फ सिक्की की याचिका पर दिया है। फर्रुखाबाद के कोतवाली थाना क्षेत्र के मछरट्टा इलाके में पूर्व विधायक विजय सिंह के आवास पर मार्च 2026 को जोरदार धमाका हुआ था। पूर्व विधायक के दो बेटों समेत कई लोग घायल हुए थे। पुलिस ने अवैध विस्फोटक पदार्थ संग्रह कर निर्माण करने व अन्य आरोपों में विधायक के बेटे अभिनाश उर्फ विक्की व अभिषेक उर्फ सिक्की और अन्य के खिलाफ प्राथमिकी दर्ज की। आरोपियों ने दर्ज एफआईआर को रद्द करने व गिरफ्तारी पर रोक लगाने की मांग में हाईकोर्ट में याचिका दायर की। सुनवाई के दौरान कोर्ट ने पुलिस अधीक्षक फर्रुखाबाद की ओर से पेश की गई विधि विज्ञान प्रयोगशाला (एफएसएल) की रिपोर्टों का बारीकी से संज्ञान लिया। रिपोर्ट के आधार पर कोर्ट ने प्रथम दृष्टया माना कि प्राथमिकी में दर्ज घटना का कारण कोई विस्फोटक पदार्थ नहीं बल्कि रसोई गैस सिलिंडर जैसा कोई अन्य स्रोत है। कोर्ट ने नोटिस जारी कर सरकारी अधिवक्ता को दो सप्ताह के भीतर जवाबी हलफनामा दाखिल करने का निर्देश दिया है। साथ ही कोर्ट ने आरोपियों की गिरफ्तारी पर अगली सुनवाई तक रोक लगा दी है।

इलाहाबाद हाईकोर्ट ने लोक निर्माण विभाग (पीडब्ल्यूडी) देवरिया में टेंडर प्रक्रिया में गड़बड़ी मामले में अधीक्षण अभियंता की ओर से दाखिल हलफनामे को अपर्याप्त मानते हुए उन्हें 11 मई को कोर्ट में उपस्थित होने का निर्देश दिया है। यह आदेश न्यायमूर्ति सरल श्रीवास्तव और न्यायमूर्ति गरिमा प्रसाद की खंडपीठ ने मेसर्स मां शारदा निर्माण की याचिका पर दिया है।

याची फर्म की बोली को विभाग की ओर से पहले ही स्वीकार कर लिया गया था लेकिन बाद में मूल्यांकन समिति की सिफारिश का हवाला देते हुए पूरे टेंडर को ही निरस्त कर दिया गया। विभाग ने इसके बाद प्रतिभागियों की संख्या बढ़ाने के लिए अर्हता की शर्तों में ढील देते हुए नए सिरे से टेंडर आमंत्रित किए। विभाग के इस कदम को याची फर्म ने हाईकोर्ट में चुनौती दी।

कोर्ट ने पक्षों को सुनने के बाद स्पष्ट किया कि एक बार बोली स्वीकार हो जाने के बाद मूल्यांकन समिति की भूमिका समाप्त हो जाती है। समिति की सिफारिश के आधार पर टेंडर निरस्त करना और बाद में नियमों में ढील देना प्रथम दृष्टया अनुचित प्रतीत होता है।

प्रयागराज के खिलाड़ियों का दबदबा, चार स्वर्ण सहित आठ पदक जीते

प्रयागराज। मदन मोहन मालवीय स्टेडियम में विश्व एथलेटिक्स दिवस पर दो दिवसीय 29वीं उत्तर प्रदेश राज्य सीनियर एथलेटिक चौंपियनशिप की शुरुआत हुई। बृहस्पतिवार को पहले दिन पुरुष वर्ग में प्रयागराज के खिलाड़ियों ने छह पदक (दो स्वर्ण, दो रजत और दो कांस्य पदक) हासिल किए। वहीं महिला वर्ग के गोला फेंक में प्रयागराज की भावना उपाध्याय और डिस्कस थ्रो में सुहानी सिंह ने स्वर्ण प्राप्त किया।

पुरुष वर्ग के हैमर थ्रो में प्रयागराज के मोहम्मद शाहबान ने स्वर्ण, प्रतापगढ़ के मोहम्मद नदीम ने रजत और प्रयागराज के अयाज खान ने कांस्य पदक प्राप्त किया। पोल वॉल्ट में प्रयागराज के आर्य देव ने स्वर्ण, प्रयागराज के अवनीश कुमार ने रजत और प्रतापगढ़ के आशीष शर्मा ने कांस्य पदक हासिल किया।

ऊंची कूद में मेरठ के अर्णव त्यागी ने स्वर्ण, प्रयागराज के हर्ष सिंह ने रजत और प्रयागराज के अशोक ने कांस्य जीता। 10 हजार मीटर रेस वॉक में बलिया के सचिन शर्मा को गोल्ड, वाराणसी के संदीप पाल को सिल्वर और मऊ के धीरज कन्नौजिया को ब्रांज मिला।

ट्रिपल जंप में यूपी पुलिस से गाजियाबाद निवासी हिमांशु यादव ने स्वर्ण, गाजियाबाद के मनीष यादव ने रजत और अयोध्या के अभिजीत सिंह ने कांस्य प्राप्त किया। शॉट पुट में मेरठ के आर्यन त्यागी ने स्वर्ण, आगरा के अंकुर दीक्षित ने रजत, मेरठ के अक्षत शर्मा ने कांस्य पदक हासिल किया।

डिस्कस थ्रो में अमरोहा के पुलकित चौधरी ने स्वर्ण, आगरा के सूरज यादव ने रजत और अलीगढ़ के दिग्विजय सिंह चौधरी ने कांस्य पदक हासिल किया। 800 मीटर दौड़ में आगरा के शिव तोमर ने स्वर्ण, शामली के आरव मलिक ने रजत और अयोध्या के विपिन कुमार वर्मा ने कांस्य पदक हासिल किया।

महिला वर्ग के शॉट पुट में प्रयागराज की भावना उपाध्याय, 100 मीटर बाधा दौड़ में वाराणसी कृति यादव और ऊंची कूद में गोंडा की मनीषा सिंह ने स्वर्ण पदक हासिल किया। 10 हजार मीटर रेस वॉक में यूपी पुलिस की प्रयागराज निवासी रोजी पटेल को स्वर्ण, संत कबीर नगर की रूपाली को रजत और आजमगढ़ की दीपा चौहान को कांस्य मिला। ट्रिपल जंप में संभल की हिमांशी चौधरी ने स्वर्ण और आगरा की करिश्मा ने रजत पदक जीता। 400 मीटर दौड़ में मुजफ्फरनगर की आयशा परवीन ने स्वर्ण और सहारनपुर की काजल ने कांस्य पदक हासिल किया।

इससे पहले प्रतियोगिता का उद्घाटन क्षेत्रीय खेलकूद अधिकारी प्रेम कुमार ने किया। उत्तर प्रदेश एथलेटिक्स एसोसिएशन के सचिव नरेंद्र कुमार ने बताया कि प्रतियोगिता में प्रदेश के 59 जिलों के 522 महिला और पुरुष खिलाड़ी 40 स्पर्धाओं में हिस्सा ले रहे हैं। परफॉर्मेंस के आधार पर एथलीट 22 से 25 मई तक रांची में होने वाली राष्ट्रीय स्तर की प्रतियोगिता में शामिल होंगे। एसोसिएशन के अध्यक्ष आशुतोष भल्ला ने खिलाड़ियों को बधाई दी।

उद्घाटन समारोह में विशिष्ट अतिथि के रूप में विद्या भारती के क्षेत्रीय प्राथमिक शिक्षा प्रमुख विजय उपाध्याय और विद्या भारती के पूर्वी उत्तर प्रदेश के क्षेत्र संयोजक जगदीश उपस्थित रहे। इस दौरान उत्तर प्रदेश एथलेटिक्स एसोसिएशन के कोषाध्यक्ष नीरज कुमार के साथ ही प्रयागराज के सचिव मोहम्मद रुस्तम खान, चयन समिति के सदस्य डोरी लाल शर्मा, तकनीकी कमेटी के अध्यक्ष अनु कुमार, सदस्य सिद्धार्थ कृष्णा, जफर उल्लाह, उप क्रीड़ा अधिकारी देवी प्रसाद, कोच सत्येंद्र सिंह और गोला फेंक के अंतरराष्ट्रीय एथलीट रणविजय उपस्थित रहे।

मूल रूप से अमेठी निवासी भावना प्रयागराज में रहकर छह साल से उपक्रीड़ा अधिकारी देवी प्रसाद और एथलेटिक्स कोच सतेंद्र सिंह के मार्गदर्शन में प्रैक्टिस कर रही हैं। भावना बताती हैं कि पिता आध्या प्रसाद किसान हैं जबकि चार साल पहले मां प्रभावती देवी का निधन हो चुका है। चार भाई और एक बहन है। छह माह पहले लीवर में गांठ का ऑपरेशन हुआ था। इसके बावजूद उन्होंने प्रैक्टिस करना नहीं छोड़ा और 13.30 मीटर के रिकॉर्ड के साथ स्वर्ण पदक हासिल कर लिया। इससे पहले वो पांच बार राष्ट्रीय प्रतियोगिताओं में शामिल हो चुकी है। साल 2020 में जम्मू में हुई राष्ट्रीय प्रतियोगिता में रजत पदक जीता था। पिता हमेशा खेल में आगे बढ़ने के लिए प्रेरित करते हैं और आगे यूपी पुलिस में शामिल होने का लक्ष्य है।

शंकरगढ़ निवासी सुहानी सिंह कर्नलगंज में रहकर प्रैक्टिस करती हैं। सुहानी बताती हैं कि पिता विजय बहादुर सिंह ठेकेदार और मां गृहिणी हैं। उपक्रीड़ा अधिकारी देवी प्रसाद और एथलेटिक्स कोच सतेंद्र सिंह के साथ ही सीनियर एथलीट अंशु के मार्गदर्शन में स्वर्ण हासिल हुआ है। जून और जुलाई 2025 में सड़क हादसे के दौरान हालत काफी खराब हो गई थी। सिर में गहरी चोट लगी थी और दाएं हाथ में फ्रैक्चर हो गया था। प्रैक्टिस करना काफी मुश्किल हो गया था लेकिन इस हादसे से उबरकर दिसंबर 2025 के विद्यालयीय राष्ट्रीय प्रतियोगिता में रजत पदक हासिल किया था।

मेडिकल कॉलेज में जूनियर महिला डॉक्टरों के साथ रैगिंग का वीडियो वायरल, कॉलेज प्रशासन ने किया इनकार

प्रयागराज। मोतीलाल नेहरू मेडिकल कॉलेज में रैगिंग से जुड़ा एक वीडियो बृहस्पतिवार को सोशल मीडिया पर छाया रहा। 58 सेकंड के वीडियो में जूनियर महिला डॉक्टरों के साथ रैगिंग और उत्पीड़न की बात सामने आ रही है।

मोतीलाल नेहरू मेडिकल कॉलेज में रैगिंग से जुड़ा एक वीडियो बृहस्पतिवार को सोशल मीडिया पर छाया रहा। 58 सेकंड के वीडियो में जूनियर महिला डॉक्टरों के साथ रैगिंग और उत्पीड़न की बात सामने आ रही है। दूसरी तरफ कॉलेज के प्राचार्य डॉ. वीके पांडेय ने ऐसी किसी भी प्रकार की जानकारी और शिकायत मिलने की बात से साफ इन्कार किया है। अखबार इस वायरल वीडियो की पुष्टि नहीं करता है।

वीडियो में कुछ छात्राएं दिखाई दे रही हैं। कथित तौर पर जूनियर डॉक्टरों के साथ मारपीट व मानसिक प्रताड़ना के आरोप लगाए जा रहे हैं। वायरल वीडियो में दो सीनियर छात्राएं और कई जूनियर छात्राएं नजर आ रही हैं। वीडियो बनाने वाली छात्रा का चेहरा दिखाई नहीं देता लेकिन उसकी आवाज साफ सुनाई पड़ती है। वह कहती है कि उसने यह वीडियो इसलिए बनाया है ताकि उसके पास इस बात का सबूत रहे कि उसके साथ मारपीट की गई है।

वीडियो में सामने खड़ी दो छात्राएं भी मोबाइल से रिकॉर्डिंग करती दिखाई देती हैं। वीडियो में कुछ दूरी पर करीब 11 जूनियर छात्राएं सिर झुकाकर खड़ी नजर आती हैं। वीडियो के साथ वायरल किए जा रहे दावों में आरोप लगाया गया है कि मेडिकल कॉलेज में जूनियर महिला डॉक्टरों को लगातार प्रताड़ित किया जा रहा है। आरोप है कि रात में उनके मोबाइल फोन छीन लिए जाते हैं ताकि वे किसी से शिकायत न कर सकें।

यह भी दावा किया गया है कि छात्राओं के साथ मारपीट की जाती है और विरोध करने पर उन्हें धमकाया जाता है। कथित तौर पर दावा किया गया है कि एक जूनियर छात्रा के साथ मारपीट की गई। इसके बाद उसने चोरी छिपे यह वीडियो रिकॉर्ड कर लिया। वीडियो वायरल होने के बाद सोशल मीडिया पर मेडिकल कॉलेज प्रशासन और एंटी रैगिंग व्यवस्था को लेकर सवाल उठने लगे हैं।

फर्स्ट ईयर बैच की परीक्षाएं तीन मई को ही समाप्त हुई हैं। ऐसे में रैगिंग जैसी बात बेबुनियाद है। वीडियो में सीनियर अपने जूनियर को फाइल तैयार करने के लिए कह रहे हैं। किसी ने वीडियो बनाकर वायरल कर दिया। मैंने वार्डन से रिपोर्ट मांगी है। – डॉ. वीके पांडेय, प्राचार्य, मोती लाल नेहरू मेडिकल कॉलेज

पहले भी मिल चुकी हैं रैगिंग की शिकायतें

2024 में भी कॉलेज हॉस्टल में रैगिंग और अभद्रता की शिकायत के बाद चार छात्रों के खिलाफ कार्रवाई की गई थी। रिपोर्ट के अनुसार उन्हें हॉस्टल से बाहर किया गया और कमरों पर ताला लगाया गया था। इससे पहले 2018 में भी प्रथम वर्ष के छात्रों के सिर मुंडवाने, लाइन में चलाने और मारपीट जैसे आरोप सामने आए थे, जिसके बाद प्रशासनिक जांच कराई गई थी। भारत में रैगिंग कानूनन अपराध है। मेडिकल कॉलेजों में एंटी–रैगिंग कमेटी, हेल्पलाइन और शिकायत प्रणाली अनिवार्य होती है। किसी भी छात्र को ऐसी स्थिति में कॉलेज प्रशासन, विश्वविद्यालय या राष्ट्रीय एंटी–रैगिंग हेल्पलाइन से संपर्क करना चाहिए।

सेवा पुस्तिका में जन्मतिथि से छेड़छाड़ गंभीर अनियमितता

प्रयागराज। इलाहाबाद हाईकोर्ट ने कर्मचारी की सेवा पुस्तिका में जन्मतिथि से छेड़छाड़ को गंभीर अनियमितता माना है। कहा कि बिना कर्मचारी की सहमति किया गया कोई भी बदलाव कानूनन मान्य नहीं होगा। इलाहाबाद हाईकोर्ट ने कर्मचारी की सेवा पुस्तिका में जन्मतिथि से छेड़छाड़ को गंभीर अनियमितता माना है। कहा कि बिना कर्मचारी की सहमति किया गया कोई भी बदलाव कानूनन मान्य नहीं होगा। कोर्ट ने कहा कि सेवा में प्रवेश के समय दर्ज जन्मतिथि ही अंतिम मानी जाएगी। बाद में उसे मनमाने ढंग से बदला नहीं जा सकता। यह आदेश न्यायमूर्ति सौरभ श्याम शमशेरी की एकलपीठ ने अलीगढ़ निवासी यतीश सिंह की याचिका पर दिया। याची की ओर से कहा गया कि उनकी नियुक्ति 1988 में हरदुआगंज थर्मल पावर प्लांट में हुई थी। नियुक्ति के समय मेडिकल रिपोर्ट के आधार पर जन्मतिथि दर्ज की गई थी। इसी आधार पर सेवानिवृत्ति 2027 में निर्धारित थी।

याची के अधिवक्ता ने दलील दी कि 35 वर्ष बाद विभाग ने बिना सूचना दिए सेवा पुस्तिका में दर्ज जन्मतिथि में बदलाव कर दिया। वाइटनर लगाकर पुरानी तिथि हटाई गई और उसकी जगह 14 अप्रैल 1966 दर्ज कर दी गई। इसके आधार पर याची को 30 अप्रैल 2026 को सेवानिवृत्त करने का आदेश जारी कर दिया गया। कोर्ट ने विभागीय कार्रवाई को प्राकृतिक न्याय के सिद्धांतों के विरुद्ध बताते हुए कहा कि कर्मचारी को बिना सुने और बिना सहमति के इस प्रकार का संशोधन अस्वीकार्य है। कोर्ट ने निर्देश दिया कि याची की जन्मतिथि 19 अक्तूबर 1967 ही मान्य रहेगी और उन्हें 31 अक्टूबर 2027 तक सेवा में बने रहने दिया जाए।

झांसी के मुस्तरा हत्याकांड के छह दोषियों की उम्रकैद की सजा बरकरार, ट्रायल कोर्ट के फैसले पर मुहर

प्रयागराज। इलाहाबाद हाईकोर्ट ने झांसी के चर्चित पुष्पराज उर्फ पुष्पेंद्र हत्याकांड में ट्रायल कोर्ट के फैसले को सही ठहराते हुए सभी छह अभियुक्तों की आजीवन कारावास की सजा बरकरार रखी है। इलाहाबाद हाईकोर्ट ने झांसी के चर्चित पुष्पराज उर्फ पुष्पेंद्र हत्याकांड में ट्रायल कोर्ट के फैसले को सही ठहराते हुए सभी छह अभियुक्तों की आजीवन कारावास की सजा बरकरार रखी है। कोर्ट ने दोषियों की अपील को खारिज करते हुए स्पष्ट किया कि ट्रायल कोर्ट की ओर से दी गई सजा में हस्तक्षेप का कोई ठोस आधार नहीं है। यह आदेश न्यायमूर्ति सलिल कुमार राय व न्यायमूर्ति डॉ. अजय कुमार द्वितीय की खंडपीठ ने दिया है। झांसी के नवाबाद थाना क्षेत्र अंतर्गत मुस्तरा गांव में जुलाई 2007 की रात वारदात हुई थी। अभियोजन पक्ष के अनुसार मृतक पुष्पराज अपने परिवार के साथ घर में टीवी देख रहा था तभी गांव के ही कृष्णपाल उर्फ लाला, ऋषि पाल, रघुनाथ, रंजीत, बहादुर और उधम सिंह ने हथियारों से लैस होकर उसके घर पर हमला बोल दिया। हमले में गंभीर रूप से घायल पुष्पराज ने इलाज के दौरान दम तोड़ दिया था। ट्रायल कोर्ट ने वर्ष 2011 में कृष्णपाल, ऋषि पाल, रघुनाथ, रंजीत, बहादुर और उधम सिंह को हत्या और बलवा करने का दोषी पाते हुए आजीवन कारावास की सजा सुनाई थी। दोषियों ने इस फैसले को हाईकोर्ट में चुनौती दी थी। सुनवाई के दौरान अदालत के सामने पेश की गई पोस्टमार्टम रिपोर्ट से हमलावरों की क्रूरता का खुलासा हुआ। पुष्पराज के शरीर पर चोट के 10 गंभीर निशान थे। शरीर के कई हिस्सों की हड्डियां चकनाचूर हो गई थीं। कोर्ट ने माना कि यह हमला पूरी योजना के साथ जान लेने की नीयत से किया गया था। कोर्ट ने सुनवाई के बाद कहा कि गवाहों के बयान और मेडिकल साक्ष्य दोषियों के खिलाफ पुख्ता हैं।

पांच मिनट का सफर, आधे घंटे का इंतजार, हाईकोर्ट पानी की टंकी पर लग रहा भीषण जाम

प्रयागराज। हाईकोर्ट–पानी की टंकी चौराहे के पास बृहस्पतिवार दोपहर भीषण जाम लग गया। टंकी चौराहे से सुलेमसराय तक वाहनों की लंबी कतारें लगी रहीं। वाहन रेंग–रेंग कर चलते रहे। जाम में एंबुलेंस भी फंसी रही। हाईकोर्ट–पानी की टंकी चौराहे के पास बृहस्पतिवार दोपहर भीषण जाम लग गया। टंकी चौराहे से सुलेमसराय तक वाहनों की लंबी कतारें लगी रहीं। वाहन रेंग–रेंग कर चलते रहे। जाम में एंबुलेंस भी फंसी रही। महज पांच मिनट का सफर तय करने में आधे घंटे से अधिक का वक्त लग गया। इससे स्कूली बच्चे, कामकाजी लोगों और वाहन चालकों को परेशानी हुई।

सुबह आठ–नौ बजे से ही यहां वाहनों का दबाव बढ़ा था। 12 बजे के बाद पानी की टंकी चौराहा, खुसरोबाग चौराहा, सुलेमसराय व धूमनगंज आने–जाने वाले मार्ग पर जाम जैसे हालात रहे। धूमनगंज निवासी बाइक चालक कृष्ण कुमार ने बताया कि वह पिछले 20 मिनट से जाम में फंसे हैं। विपरीत दिशा से आ रहे वाहनों के कारण रास्ता पूरी तरह अवरुद्ध हो गया है। निकलने की जगह नहीं बची है। उन्होंने कहा कि पुलिस मौके पर होती तो स्थिति बिगड़ती। पुलिस कर्मियों के न होने से लोग जहां–तहां से निकलने का प्रयास करते हैं। इस वजह से व्यवस्था बिगड़ जाती है।

कई इलाकों में स्कूलों की छुट्टी के वक्त ट्रैफिक जाम की समस्या लगातार देखने को मिल रही है। सुबह और दोपहर के समय स्कूलों के बाहर अचानक बढ़ने वाली भीड़ के कारण सड़कें जाम हो जाती हैं। इससे स्कूली बच्चों के साथ आम लोगों को परेशानी होती है। जाम में फंसे खुल्दाबाद अटाला निवासी राहगीर निरंजन सिंह ने बताया कि स्कूल छूटते ही बड़ी संख्या में वाहन एक साथ निकलते हैं, जिससे मुख्य सड़कों पर दबाव बढ़ जाता है। हाईकोर्ट पानी टंकी रेलवे ओवर ब्रिज के ध्वस्तीकरण के काम में बृहस्पतिवार को तेजी आ गई। सेतु निगम की तरफ से नामित संस्था उमा कांट्रेक्टर ने पुल को ध्वस्त करने का काम शुरू कर दिया है।

दो महीने के भीतर 50 साल पुराना पुल ध्वस्त हो जाएगा।

संक्षिप्त

अखण्ड आर्यावर्त महासभा का कार्यकर्ता सम्मेलन 11 मई को

लखनऊ (संवाददाता)। अखण्ड आर्यावर्त आर्य त्रिदंडी महासभा, उत्तर प्रदेश इकाई के कार्यकर्ताओं का सम्मेलन एवं सम्मान समारोह आगामी 11 मई को राय उमानाथ ऑडिटोरियम, भातखंडे विश्वविद्यालय, कैसरबाग, लखनऊ में आयोजित किया जा रहा है। इस कार्यक्रम की जानकारी देते हुए संगठन के प्रदेश अध्यक्ष चन्द्रमौलि शुक्ल ने बताया कि सम्मेलन का उद्घाटन प्रातः 11 बजे संगठन के राष्ट्रीय अध्यक्ष ऋषि त्रिवेदी करेंगे। इस मौके पर देश–प्रदेश के साधू संत सहित विभिन्न हिन्दूवादी संगठनों के प्रतिनिधि एवं संगठन के कार्यकर्ता मौजूद रहेंगे। कार्यक्रम के बारे में विस्तृत जानकारी देते हुए बताया कि सम्मेलन एवं सम्मान समारोह की सभी तैयारियां पूरी कर ली गयी है और इसमें देश–प्रदेश के विभिन्न हिस्सों से कार्यकर्ताओं का 10 मई से पहुंचना शुरू हो जायेगा। सम्मेलन के दौरान प्रदेश में संगठन की मजबूती, आगामी उत्तर प्रदेश विधानसभा चुनाव में हिन्दूवादी विचारधारा रखने वाले प्रत्याशियों को उतारने और विभिन्न मुद्दों पर चर्चा की जायेगी।

अलीगंज में वकील ने घर के अंदर खुद को मारी गोली

लखनऊ (संवाददाता)। उत्तर प्रदेश की राजधानी के अलीगंज इलाके में 40 वर्षीय अधिवक्ता ने अपने घर में कथित तौर पर खुद को गोली मारकर आत्महत्या कर ली। पुलिस ने शुक्रवार को यह जानकारी दी। लखनऊ पुलिस की ओर से जारी बयान के अनुसार, गुरुवार रात लगभग 10.35 बजे आपातकालीन सेवा डायल–112 के माध्यम से घटना की सूचना मिली। फोन करने वाली महिला, शालिनी सिंह ने पुलिस को बताया कि उनके भाई शैलेंद्र प्रताप सिंह ने अलीगंज के सेक्टर–जी स्थित अपने घर में कथित तौर पर खुद को गोली मार ली। घटना की सूचना मिलते ही पुलिस तुरंत मौके पर पहुंची। परिवार के लोग शैलेन्द्र प्रताप सिंह को एम्बुलेंस से ट्रॉमा सेंटर ले गए, जहां डॉक्टरों ने उन्हें मृत घोषित कर दिया। पुलिस के अनुसार, अलीगंज थाने के प्रभारी निरीक्षक और अन्य पुलिसकर्मी मौके पर मौजूद रहे। पुलिस ने बताया कि आवश्यक कानूनी कार्रवाई की जा रही है और मामले की गहन जांच की जा रही है।

तेज रफ्तार कार ने साइकिल सवार मामा–भांजे को टक्कर मारी मामा की मौत

लखनऊ (संवाददाता)। राजधानी लखनऊ के बीकेटी थाना क्षेत्र में शुक्रवार तड़के तेज रफ्तार कार ने साइकिल सवार मामा–भांजे को टक्कर मार दी। हादसे में मामा की मौके पर ही मौत हो गई, जबकि भांजा गंभीर रूप से घायल हो गया। उसे इलाज के लिए लोहिया अस्पताल में भर्ती कराया गया है। मृतक की पहचान कल्याणपुर निवासी रामू कुमार (45) कुमार के रूप में हुई। वह अपने भांजे विजय के साथ गुरुवार रात किसान पथ के पास स्थित एक लॉन से काम खत्म कर साइकिल से घर लौट रहे थे। दोनों वेटर का काम करते थे। तड़के करीब 3 बजे बीकेटी इलाके में किसान पथ के पास पीछे से तेज रफ्तार कार ने उनकी साइकिल में टक्कर मार दी। टक्कर इतनी तेज थी कि रामू कुमार सड़क पर दूर जा गिरे और उनकी मौके पर ही मौत हो गई। भांजा विजय उछलकर सड़क किनारे गड्ढे में जा गिरा। वह गंभीर रूप से घायल हो गया। राहगीरों और स्थानीय लोगों की सूचना पर पुलिस मौके पर पहुंची और घायल को लोहिया अस्पताल में भर्ती करवाया गया। मृतक रामू कुमार की पत्नी का नाम रामा है। परिवार में चार बेटियां और दो बेटे हैं। हादसे के बाद परिवार में कोहराम मचा हुआ है। पुलिस के मुताबिक, हादसे के बाद कार चालक मौके से फरार हो गया। आसपास लगे सीसीटीवी कैमरों की फुटेज खंगाली जा रही है, ताकि वाहन और चालक की पहचान की जा सके। बीकेटी पुलिस ने शव को पोस्टमॉर्टम के लिए भेजकर मामले की जांच शुरू कर दी है।

बीकेटी तहसील में भ्रष्टाचार के खिलाफ वकीलों का विरोध

लखनऊ (संवाददाता)। बीकेटी तहसील में भ्रष्टाचार के खिलाफ अधिवक्ताओं ने विरोध प्रदर्शन किया है। लेखपाल पंकज शुक्ला पर कार्रवाई न होने से नाराज अधिवक्ताओं ने 8 मई, 2026 को न्यायिक कार्य से विरत रहकर अपना विरोध दर्ज कराया। अधिवक्ताओं का आरोप है कि बीकेटी तहसील में व्यापक भ्रष्टाचार फैला हुआ है। लेखपाल पंकज शुक्ला पर क्षेत्र में मनमानी तरीके से धन उगाही करने का आरोप है। इस संबंध में 6 मई को जिलाधिकारी, बख्शी का तालाब को एक ज्ञापन भी सौंपा गया था। हालांकि, ज्ञापन सौंपे जाने के बाद भी लेखपाल पंकज शुक्ला के खिलाफ अब तक कोई कार्रवाई नहीं की गई है। बीकेटी बार एसोसिएशन, लखनऊ के अध्यक्ष आशीष कुमार सिंह और महामंत्री जितेंद्र बहादुर सिंह ने बताया कि कार्रवाई न होने से अधिवक्ता साथियों में रोष व्याप्त है। उन्होंने चेतावनी दी कि यदि अगले तीन दिनों के भीतर लेखपाल पंकज शुक्ला के खिलाफ कोई कार्रवाई नहीं होती है, तो वे आगे की रणनीति तय करने के लिए बैठक करेंगे और भ्रष्टाचार के खिलाफ आंदोलन शुरू करेंगे।

भाजपा की संगठनात्मक बैठक सम्पन्न, बूथ समितियों को मजबूत करने पर जोर

लखनऊ (संवाददाता)। राजधानी के सरोजनीनगर विधानसभा क्षेत्र में भाजपा के दक्षिण प्रथम मंडल कार्यालय पर शुक्रवार को एक महत्वपूर्ण संगठनात्मक बैठक आयोजित की गई। यह बैठक मंडल अध्यक्ष के. के. श्रीवास्तव के नेतृत्व में हुई। बैठक में टीम राजेश्वर के सदस्य, मंडल महामंत्री राजन गुप्ता, मंडल महामंत्री नीरज श्रीवास्तव, मंडल मंत्री प्रीतम सिंह, सभी सेक्टर संयोजक और वरिष्ठ कार्यकर्ता उपस्थित रहे। इस दौरान बूथ समितियों के पुनर्गठन और संगठन को सशक्त बनाने पर विस्तार से चर्चा की गई। माननीय विधायक द्वारा उपलब्ध कराई गई मतदाता सूची मंडल अध्यक्ष और सभी सेक्टर संयोजकों को वितरित की गई। इसका उद्देश्य प्रत्येक बूथ स्तर पर संगठन को मजबूत करना और कार्यकर्ताओं की सक्रिय भागीदारी सुनिश्चित करना है। कार्यकर्ताओं के साथ आगामी संगठनात्मक कार्यक्रमों और जनसंपर्क अभियान को लेकर भी विचार–विमर्श किया गया। उपस्थित पदाधिकारियों ने बूथ स्तर तक पार्टी की नीतियों और योजनाओं को पहुंचाने का संकल्प लिया। इस अवसर पर विधायक प्रतिनिधि प्रदीप मिश्रा, सूर्य प्रकाश मिश्रा, अशोक ओझा, अभय सिंह, संतोष देवी, पूर्व अध्यक्ष राजेश गुप्ता, विनीत सिंह और रमन श्रीवास्तव सहित बड़ी संख्या में कार्यकर्ता मौजूद थे।

भयहरणनाथ धाम की देव भूमि को कब्जा मुक्ति हेतु समाज शेखर को पूज्य देवव्रत जी महाराज का मिला आशीर्वाद

देवताओं के जीवंत स्थान पर मोह मानव की नादानी– भागवत भूषण का संदेश

10 मई को पत्थर गाड़ कर होगा सीमांकन/9वां सामाजिक सत्याग्रह रहेगा जारी

प्रतापगढ़। पांडव कालीन बाबा भयहरणनाथ धाम की देव भूमि को नादानीवश किए गए कब्जे से मुक्त कराने हेतु चल रहे सामाजिक सत्याग्रह को भागवत भूषण, कथा मर्मज्ञ पूज्य देवव्रत जी महाराज का आशीर्वाद व प्रसाद प्राप्त हुआ है। 10 मई को होने वाले 9वें सामाजिक सत्याग्रह में सफलता की कामना करते हुए उन्होंने इस पुनीत कार्य में सभी क्षेत्र वासियों को भागीदारी करने का संदेश दिया।

भयहरणनाथ धाम के समीपवर्ती प्रयागराज जनपद के होलागढ़ ब्लाक के गेंदा उमरिया ग्राम में आयोजित कार्यक्रम में पूज्य महाराज श्री ने धाम के महासचिव सामाजिक कार्यकर्ता समाज शेखर को आशीर्वाद स्वरूप प्रसाद प्रदान किया। इस अवसर पर महाराज श्री ने कहा कि ष्देवताओं के जीवंत स्थान पर मोह करना मानव की सबसे बड़ी नादानी है। द्वापर युग की जिस भूमि पर भगवान श्रीकृष्ण के चरण पड़े, उसे निजी स्वार्थ हेतु हड़पना काल को चुनौती देना है।ष

बता दें कि 15 मार्च से निरंतर प्रत्येक रविवार को धाम को भूमि के लालची लोगों व

अनाधिकृत कार्य से मुक्ति हेतु सत्याग्रह धाम में हो रहा है। इसी कड़ी में 10 मई 2026, रविवार को शसीमांकन संकल्प दिवसश पर भयहरणनाथ धाम में सामूहिक सत्याग्रह होगा। वहीं 17 मई से 15 जून 2026 तक मलमास मेला आयोजित होगा, जिसमें लाखों श्रद्धालु आएंगे। मेले की सुव्यवस्था हेतु इस अवसर पर विचार कर अंतिम योजना तय होगी।

महासचिव व संयोजक समाज शेखर ने बताया कि संत आदेश है – ष्मेले से पहले धाम विवाद मुक्त होष। नादानी छोड़कर धर्म के साथ खड़े होने की अपील की गई है। ष्जब संत का आशीर्वाद हो, इतिहास गवाह हो, कानून साथ हो, प्रशासन की सहभागिता हो और मीडिया व समाज साक्षी हो – तो नादानी की हार निश्चित है।ष

उन्होंने जिला प्रशासन से 10 मई को राजस्व विभाग द्वारा वायदे के मुताबिक पत्थर गाड़ कर धाम की सार्वजनिक भूमि का स्थाई चिन्हांकन अवश्य किया जाए, जिससे यहाँ स्थाई समाधान व विकास हो सके। इस अवसर पर समाज शेखर के साथ उपाध्यक्ष वित्त एवं लेखा राजीव नयन मिश्र, उपाध्यक्ष कार्यक्रम उमाकांत पांडेय व मेला समिति से श्री प्रकाश तिवारी, राज नारायण पांडेय व लक्ष्मी कांत शुक्ल भी शामिल थे।

परिवारों की समृद्धि के लिए जरूरी है महिला आर्थिक सशक्तिकरण- डॉ. उमर अली शाह

पिठापुरम। श्री विश्व विज्ञान विद्या आध्यात्मिक पीठम के नौंवें पीठाधिपति डॉ. उमर अली शाह ने कहा कि महिलाओं के आर्थिक रूप से सशक्त होने पर ही परिवार समृद्ध होगा।

गुरुवार की सुबह स्थानीय श्री विश्व विज्ञान विद्या आध्यात्मिक पीठ के नये आश्रम परिसर में स्थापित पीएमओ प्रोडक्ट्स यानी प्रकृति मातृ ऑर्गेनिक प्रोडक्ट्स का उद्घाटन करते हुए पीठाधिपति डॉ उमर अली शाह ने कहा कि श्री विश्व विज्ञान विद्या आध्यात्मिक पीठ एवं महिला विभाग नारी शक्ति के कौशल को सामने लाने और उनकी वित्तीय स्थिरता का मार्ग प्रशस्त करने के लिए काम कर रहा है।

इस कार्यक्रम के लिए श्रीमती पेरुरी कोमली को महिला समन्वयक के रूप में नियुक्त किया गया था। उन्होंने कहा कि जो महिला आदर्श महिला स्वावलम्बन कार्यक्रम में भागीदार बनना चाहती हैं उन्हें कोमली से प्रशिक्षण प्राप्त करना चाहिए। इस कार्यक्रम में लगभग 90 महिलाओं ने भाग लिया. महिलाओं द्वारा बनाए गए उत्पाद, पीठ के संयोजक श्री पेरुरी सूरीबाबू पहले खरीदार थे और उन्होंने कुछ उत्पादों को स्वामी के अमृत हाथों से लिया। बाद में कई लोगों ने पीएमओ के उत्पाद खरीदे. पेरुरी कोमली के नेतृत्व में श्री विश्व विज्ञान विद्या आध्यात्मिक पीठ की सभी महिलाओं ने महिला सशक्तिकरण कार्यक्रम में भाग

लिया। पीठाधिपति डॉ उमर अली शाह ने कार्यक्रम में शामिल हुई सभी महिलाओं को आशीर्वाद दिया।

वृन्दावन में बनेगा भव्य अक्रूर घाट, श्रद्धालुओं को मिलेगा आधुनिक सुविधाओं से युक्त दिव्य अनुभव

6.35 करोड़ की परियोजना को मंजूरी, प्रथम चरण में 3.17 करोड़ रुपये जारी

मथुरा। वृन्दावन स्थित यमुना नदी के दाहिने तट पर पौराणिक महत्व वाले अक्रूर घाट का अब भव्य निर्माण एवं सौंदर्यीकरण कराया जाएगा। प्रदेश सरकार ने 6.35 करोड़ रुपये की महत्वाकांक्षी परियोजना को मंजूरी देते हुए प्रथम चरण में 3.17 करोड़ रुपये जारी कर दिए हैं। परियोजना का उद्देश्य श्रद्धालुओं एवं पर्यटकों को आस्था के साथ आधुनिक सुविधाओं से युक्त दिव्य अनुभव उपलब्ध कराना है।

उत्तर प्रदेश के पर्यटन एवं संस्कृति मंत्री जयवीर सिंह ने बताया कि मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के नेतृत्व में मथुरा–वृन्दावन को विश्व स्तरीय धार्मिक एवं सांस्कृतिक पर्यटन केंद्र के रूप में विकसित किया जा रहा है। उन्होंने कहा कि कृष्ण भक्तों और पर्यटकों के अनुभव को समृद्ध करना सरकार की प्राथमिकता है।

मंत्री ने बताया कि अक्रूर घाट का विशेष पौराणिक महत्व है। मान्यता है कि कंस के बुलावे पर जब अक्रूर जी श्रीकृष्ण और बलराम को मथुरा लेकर जा रहे थे, तब यहीं यमुना स्नान के दौरान उन्हें भगवान विष्णु के चतुर्भुज स्वरूप में श्रीकृष्ण एवं बलराम के दिव्य दर्शन हुए थे। इसी कारण यह स्थल श्रद्धालुओं की गहरी आस्था का केंद्र माना जाता है।

परियोजना के तहत होंगे ये प्रमुख कार्य

अक्रूर घाट परियोजना के अंतर्गत घाट के निर्माण एवं सुरक्षा के लिए 30 मीटर लंबाई में शीट पाइलिंग कराई जाएगी। दोनों ओर शीट पाइल को जोड़ने के लिए प्रत्येक तीन मीटर पर एंकर बार लगाई जाएगी। इसके अतिरिक्त पांच मीटर चौड़े स्नान प्लेटफॉर्म, घाट की सीढ़ियों एवं पटरे का निर्माण कराया जाएगा, जिन पर लाल पत्थर लगाया जाएगा।

घाट पर पर्याप्त जल उपलब्धता सुनिश्चित करने के लिए 220 मीटर लंबा चौनल भी खोदा जाएगा। साथ ही अपस्ट्रीम एवं डाउनस्ट्रीम हिस्सों में स्लोप पिचिंग का कार्य कराया जाएगा, जिससे घाट की संरचना सुरक्षित और मजबूत बनी रहे।

पर्यटन को मिलेगा नया आयाम

जयवीर सिंह ने बताया कि धार्मिक पर्यटन के बढ़ते आकर्षण, बेहतर कनेक्टिविटी एवं सुविधाओं के विस्तार के चलते वर्ष 2025 में 10.24 करोड़ से अधिक पर्यटक मथुरा पहुंचे। उन्होंने कहा कि ब्रज में आयोजित रंगोत्सव, कृष्ण जन्माष्टमी और राधा अष्टमी जैसे आयोजनों में देश–विदेश से बड़ी संख्या में श्रद्धालु पहुंचते हैं।

उन्होंने बताया कि रंगोत्सव–2026 के मुख्य आयोजनों में 44 लाख से अधिक श्रद्धालु एवं पर्यटक ब्रज पहुंचे, जो क्षेत्र की वैश्विक लोकप्रियता का प्रमाण है। अक्रूर घाट का निर्माण ब्रज क्षेत्र में धार्मिक पर्यटन को नया आयाम देने के साथ श्रद्धालुओं के लिए आकर्षण का प्रमुख केंद्र बनेगा।

रेल एवं सड़क मार्ग से आसान पहुंच

अक्रूर घाट मथुरा रेलवे स्टेशन से लगभग 16 किलोमीटर तथा नए बस स्टैंड से करीब 15 किलोमीटर दूरी पर स्थित है। बेहतर सड़क एवं परिवहन सुविधाओं के चलते श्रद्धालुओं को यहां पहुंचने में किसी प्रकार की असुविधा नहीं होगी।

उपमुख्यमंत्री ने ऑनलाईन जनगणना के प्रथम चरण को किया पूर्ण

लखनऊ (संवाददाता)। कालिदास मार्ग, उत्तर प्रदेश के उपमुख्यमंत्री केशव प्रसाद मौर्य ने आज लखनऊ स्थित अपने सरकारी आवास 7, कालिदास मार्ग पर ऑनलाइन माध्यम से जनगणना प्रक्रिया के प्रथम चरण को सफलतापूर्वक पूर्ण किया। इस अवसर पर उन्होंने प्रदेश और देश की जनता से अपील करते हुए कहा कि जनगणना देश के विकास की आधारभूत प्रक्रिया है और इसमें प्रत्येक नागरिक की भागीदारी अत्यंत आवश्यक है। सटीक आंकड़े ही सशक्त नीतियों का आधार होते हैं। मैं समस्त नागरिकों से अपील करता हूं कि वे अपनी जिम्मेदारी निभाएं और जनगणना के प्रथम चरण में अपनी भागीदारी सुनिश्चित करें। कृ श्री केशव प्रसाद मौर्य, उपमुख्यमंत्री उपमुख्यमंत्री श्री मौर्य ने कहा कि जनगणना के माध्यम से देश की वास्तविक जनसंख्या, सामाजिक–आर्थिक स्थिति तथा विभिन्न आवश्यकताओं का सटीक आकलन किया जाता है। इससे सरकार को योजनाएं बनाने और उन्हें प्रभावी ढंग से लागू करने में सहायता मिलती है। उन्होंने कहा कि यह केवल एक सरकारी प्रक्रिया नहीं, बल्कि राष्ट्र निर्माण में नागरिकों की महत्वपूर्ण सहभागिता का माध्यम है। उन्होंने प्रदेशवासियों से आग्रह किया कि वे जनगणना की इस प्रक्रिया में बढ़–चढ़कर सहयोग करें और ऑनलाइन जनगणना के इस प्रथम चरण में स्वयं भी भाग लेकर इसे सफल बनाएं। श्री मौर्य ने कहा कि सभी नागरिक सही और पूर्ण जानकारी प्रदान करें, ताकि सरकार की योजनाओं का लाभ प्रत्येक पात्र व्यक्ति तक पहुंच सके। उपमुख्यमंत्री ने कहा कि प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी जी के नेतृत्व में देश निरंतर विकास के मार्ग पर अग्रसर है। केंद्र और राज्य की डबल इंजन सरकार देश और प्रदेश को सशक्त एवं समृद्ध बनाने के लिए लगातार कार्य कर रही है।

हिन्दी कहती फूल

चीनी कहते हैं 'हुआश, स्पेनिश कहता 'फ्लोरश।
'फ्लावरश अंग्रेजी कहे, करे न कोई शोर।
करे न कोई शोर, 'पुष्पश संस्कृत है कहता।
डच कहते हैं 'ब्लोमश, सदा जो खुशबू भरता।
सुन लो कहें प्रदीप,बात है भीनी–भीनी।
हरि का है वरदान, बताते भारत–चीनी।।

खिलता है जो हर समय, मौसम के अनुकूल।
गुजराती 'फूलाश कहें, हिन्दी कहती फूल।
हिन्दी कहती फूल, 'फुलाश पंजाबी कहते।
तेलगु मे बन 'पुव्वश,सुगन्धित जग को करते।
सुन लो कहें प्रदीप, नाम कोई हो इसका।
मौसम के अनुरूप, हमेशा हँसकर खिलता।।

डॉ. प्रदीप चित्रांशी
लूकरगंज, प्रयागराज

जगतगुरु वंदना महोत्सव 14 में

प्रतापगढ़। जगतगुरु रामभद्राचार्य जी के शिष्य मदन मोहन दास द्वारा प्रेस वार्ता में 14 मई को जगतगुरु रामभद्राचार्य जी के जेठवारा आगमन पर उनके सम्मान में आयोजित होने वाले कार्यक्रम 'जगद्गुरु वंदना महोत्सव' के बारे में विस्तृत जानकारी दिया गया। उक्त कार्यक्रम राघव परिवार जेठवारा द्वारा आयोजित किया जा रहा है जिसमें जगतगुरू जी के साथ– साथ देश के कुछ प्रमुख संत भी कार्यक्रम में सम्मिलित होंगे। कार्यक्रम में शामिल होने वाले संतो में प्रमुख रूप से आचार्य रामचन्द्र दास – उत्तराधिकारी तुलसी पीठ, बनारस से संत सतुआ बाबा, कल्की

पीठाधीश्वर आचार्य प्रमोद कृष्ण, जबलपुर से जगतगुरु राघव देवाचार्य, हनुमानगढ़ी अयोध्या से महंत राजू दास एवं प्रयागराज से श्री अतुल जी महराज हैं। कार्यक्रम को भव्यता प्रदान करने के लिए प्रसिद्ध गायिका अक्षरा सिंह व दिव्या दूबे के साथ स्टार भोजपुरी गायक रितेश पांडेय एवं चर्चित गायक खनिज देव चौहान द्वारा सांस्कृतिक कार्यक्रम प्रस्तुत किया जायेगा। कार्यक्रम में आयोजित होने वाले भंडारे के तहत जगन्नाथ महाप्रसाद की भी व्यवस्था होगी । वार्ता में प्रमुख रूप से मदन मोहन दास, जुग्गू लाल पांडेय, ललता प्रसाद पांडेय,बसंत पांडेय,विवेक यादव,सोनू प्रधान,राजेंद्र विश्वकर्मा,शिवकांत दुबे,प्रेम चंद्र गुप्ता,सुमित शर्मा,पंकज दुबे,रोलू सिंह,दीपक यादव,मुन्ना यादव समेत क्षेत्र के गणमान्य जन तथा प्रशासनिक अधिकारी उपस्थित रहे।

5-महीने से गायब है पूर्व सीएम की पत्नी की प्रतिमा

लखनऊ (संवाददाता)। लखनऊ में इन दिनों महिला आरक्षण को लेकर सियासत गरम है। समर्थन और विरोध में रैलियां निकल रही हैं, लेकिन राजधानी में एक महिला की प्रतिमा को लेकर उठ रहे सवाल चर्चा का विषय बने हुए हैं। प्रदेश के पूर्व मुख्यमंत्री नारायण दत्त तिवारी की पत्नी स्वर्गीय डॉ. सुशीला तिवारी की प्रतिमा पिछले पांच महीने से अपने स्थान से गायब है। निशातगंज पुल के पास बने स्मृति चौक पर करीब तीन दशक पहले लगाई गई यह प्रतिमा ग्रीन कॉरिडोर परियोजना के दौरान हटाई गई थी। उस समय अधिकारियों ने दावा किया था कि नया चौराहा तैयार होने के बाद प्रतिमा को फिर से स्थापित कर दिया जाएगा। मार्च में ग्रीन कॉरिडोर का लोकार्पण भी हो गया, चौराहा भी पूरी तरह तैयार हो गया, लेकिन प्रतिमा अब तक नहीं लगाई जा सकी। गोमती नदी के किनारे आईआईएम रोड से किसान पथ तक करीब 28 किलोमीटर लंबे ग्रीन कॉरिडोर का निर्माण चार चरणों में किया जा रहा है। इसके दूसरे चरण में समतामूलक चौक से डालीगंज पुल तक का हिस्सा शामिल है।

उत्तर मध्य रेलवे

ई-निविदा सूचना सं. ई टी-67/विद्युत/कोचिंग - प्रयाग/2026-27 दिनांक: 06.05.2026

ई-निविदा सूचना

भारत के राष्ट्रपति की ओर से वरिष्ठ मण्डल विद्युत अभियन्ता (कोचिंग) उत्तर मध्य रेलवे, प्रयागराज निम्नलिखित कार्य के लिए निर्धारित फार्म पर E-Tender दि0 01.06.2026 समय 15:00 बजे तक आमन्त्रित करते हैं। निविदा के सम्बन्ध में मुख्य सूचनायें निम्नवत् हैं-

निविदा सं.: ETCHG-67	कार्य की लागत (रू0 में): रू0 1,15,58,255.92
कार्य का नाम: प्रयागराज मंडल की मौजूदा कोचिंग लाइन में कैटलिक, पिट लाइट्स तथा अन्य संबंधित कार्यों का प्रावधान एवं सुधार।	
धरोहर राशि (रू0 में): रू0 2,31,200.00	समयावधि: 06 माह
टेण्डर फार्म की कीमत (रू0 में): NIL	निविदा खुलने की तिथि: 01.06.2026
निविदा का प्रकार: कार्य (खुली निविदा) कैपिटल आवंटन	

नोट:- 1. उपरोक्त ई-निविदा का पूर्ण विवरण (निविदा प्रपत्र सहित) वेबसाइट www.ireps.gov.in पर समय 15:00 बजे टेण्डर खुलने की तिथि तक उपलब्ध है। 2. उपरोक्त निविदा में ई-बिड के अलावा किसी अन्य रूप में बिड स्वीकार नहीं की जायेगी। इस प्रयोजन हेतु टेन्डरों को चाहिए कि वे अपने आपको I.T. Act-2000 के अन्तर्गत CCA द्वारा जारी Digital हस्ताक्षर प्रमाण पत्र के साथ IREPS की वेबसाइट पर पंजीकृत करायें। 3. निविदा की दरें केवल विधिवत हस्ताक्षरित फाइनेंशियल रेट पेज पर ही विचारणीय हैं। दरें तथा अन्य वित्तीय प्रभार अन्य किसी भी फार्म/लेटर हेड पर यदि संलग्न है तो उन पर विचार नहीं किया जायेगा तथा सीधी तौर पर अमान्य कर दिया जायेगा। 4. संलग्न किये जाने सभी प्रपत्र निविदाकर्ता द्वारा हस्ताक्षरित होने चाहिये। 5. निविदा सूचना को निम्नलिखित वेबसाइट पर भी देखा जा सकता है। a) www.ncr.indianrailways.gov.in 6. किसी भी प्रकार की तकनीकी समस्या के समाधान के लिए IREPS की वेबसाइट की हेल्प लाइन से सम्पर्क किया जा सकता है। 7. ईएमडी का भुगतान केवल ऑनलाइन नेट बैंकिंग, डेबिट और क्रेडिट कार्ड के माध्यम से किया जाना चाहिए। 8. पात्रता मापदण्ड- निविदा सं. ETCHG-67 के लिए (क) निविदाकर्ता ने इनमें से किसी एक को सफलतापूर्वक पूरा किया होना या पर्याप्त रूप से पूरा किया होना पिछले 07 (सात) वर्षों के दौरान ... [illegible] ... "एचटी/एलटी स्थापना से संबंधित किसी भी विद्युत कार्य का संतोषजनक निष्पादन।" (ख) ... [illegible] ... वैध विद्युत लाइसेंस होना चाहिए। 1013/26 (ADM)

North central railways www.ncr.indianrailways.gov.in @CPRONCR

सम्पादकीय.....

चेतावनी के धमाके

गाहे–बगाहे पंजाब में शांति भंग करने के अनेक कुत्सित प्रयास होते नजर आए हैं। सीमा पार से पंजाब का सुख–चौन छीनने के षडघ्यंत्र काले दौर से लेकर अब तक रुके नहीं हैं। नशे और बेरोजगारी को हथियार बनाकर भटके युवाओं को इन साजिशों का हथियार बनाने के मामले भी उजागर हुए हैं। पंजाब में हाल ही में दो धमाके हुए, पहला जालंधर में बीएसएफ चौकी के बाहर और दूसरा अमृतसर में सेना की छावनी के पास हुआ। सेना और सुरक्षा बलों को लक्षित इन हमलों के घातक मंसूबों को समझा जा सकता है। वहीं दूसरी ओर समय और लक्ष्य के लिहाज से इतने करीबी हमलों के निहितार्थ समझना कठिन नहीं है कि ये महज सामान्य मामले नहीं थे। अब भले ही इन धमाकों की तीव्रता कम रही हो,लेकिन इनमें गंभीर रणनीतिक चेतावनी छिपी है। वह ये कि भारतीय सुरक्षा व्यवस्था के संवेदनशील क्षेत्रों की हिफाजत को आंका जा रहा है। वहीं दूसरी ओर पंजाब के डीजीपी गौरव यादव द्वारा सैन्य क्षेत्र के पास हुए धमाकों में विस्फोटक उपकरण यानी आईडीपी के इस्तेमाल की पुष्टि करना, खतरे की गंभीरता को रेखांकित करता है। निस्संदेह, ये महज आकस्मिक घटनाएं मात्र नहीं हैं। ये सुनियोजित तरीके व जासूसी के जरिये रक्षा प्रतिष्ठानों के आसपास की कमजोर कड़ियों को तलाशने की कुत्सित कोशिश है। अब चाहे इन आतंकी गतिविधियों के तार स्थानीय साजिश से जुड़े हों या फिर सीमा पार से साजिश को अंजाम दिया गया हो, कह सकते हैं कि मिलाजुला षडघ्यंत्र हो, मगर तौर–तरीका स्पष्ट है। हालांकि, राजनीतिक दल अपनी राजनीतिक लाइन के अनुरूप बयान देने से बाज नहीं आ रहे हैं। मुख्यमंत्री भगवंत मान ने इसका दोष भाजपा पर मढ़ा है। वहीं भाजपा आप सरकार पर आरोप लगा रही है कि वह राज्य को सुरक्षा देने में विफल रही है। बहरहाल, भले ही आरोप–प्रत्यारोप का यह खेल नेताओं को राजनीतिक लाभ–हानि के गणित के अनुरूप लगता हो, मगर राज्य की सुरक्षा के नजरिये से अदूरदर्शी कदम ही कहा जाएगा। यह विडंबना ही है कि पंजाब के राजनेता अतीत के स्याह दौर की घातकता से कोई सबक नहीं सीखते हैं। राजनेताओं की संकीर्णता और दूरगामी प्रभावों को नजरअंदाज करके की गई बयानबाजी ही चिंगारी को आग बनाने का काम करती है। जिसकी कीमत दशकों तक पंजाब के लोगों व राज्य की अर्थव्यवस्था को चुकानी पड़ती है। यह सामान्य तथ्य है कि कि जब भी इस संवेदनशील व सीमावर्ती राज्य पर कोई सुरक्षा संकट पैदा हो, उसके लिये राजनीतिक भेदभाव भुलाकर समन्वय स्थापित करने की आवश्यकता है। टकराव की राजनीति से राज्य का अहित ही होगा। निस्संदेह, पंजाब का अतीत इस मामूली अशांति के प्रति भी विशेष रूप से संवेदनशील होने की जरूरत बताता है। दशकों तक पंजाब ने सुदृढ़ पुलिस व्यवस्था और खुफिया जानकारी पर आधारित अभियानों हेतु देशव्यापी ख्याति अर्जित की है। लेकिन हाल की घटनाओं ने हमारी सुरक्षा चिंताओं को बढ़ाया ही है। यह गंभीर मसला है कि इस सीमावर्ती संवेदनशील राज्य में दस दिनों के भीतर तीन सुनियोजित व उच्च तकनीक से लैस विस्फोट हुए हैं। ये धमाके सभी पक्षों की मेहनत से अर्जित साख को धूमिल करने के जोखिम को बढ़ाते हैं। सवाल मात्र यही नहीं है कि इन धमाकों के लिये कौन जिम्मेदार है। प्रश्न यह भी है कि क्या इन धमाकों के बाबत खुफिया सूचनाओं को नजरअंदाज किया गया है? या फिर मिली हुई खुफिया सूचनाओं के आधार पर समन्वित प्रतिक्रिया देने में कहीं चूक हुई है? वास्तव में वक्त की सबसे बड़ी जरूरत इस बात को लेकर है कि हम ऐसी किसी भी चुनौती को लेकर एक समन्वित प्रतिक्रिया दें। केंद्र व राज्य सरकार की एजेंसियों के बीच खुफिया जानकारी का बेहतर ढंग से आदान–प्रदान किया जाए। वहीं दूसरी ओर सुरक्षा घेरे के दायरे का तत्काल प्रभाव से सुरक्षा ऑडिट किया जाए। इन साजिशों पर कड़ी निगरानी रखने की जरूरत है। खासकर लगातार गहरी होती ड्रोन आधारित घुसपैठ के खतरों को रोकने के लिये युद्धस्तर पर कार्रवाई की आवश्यकता है। ड्रोन आज अवैध हथियारों व नशीले पदार्थों की तस्करी का साधन बन रहे हैं। जनता का मनोबल बढ़ाना जरूरी है, लेकिन सुरक्षा जोखिमों को कम न आंका जाए।

धरती की जीवनदायिनी क्षमताओं की रक्षा जरूरी

भारत डोगरा

वैसे तो वैकल्पिक विकास की जरूरत बहुत समय से महसूस की गई है, पर आज की विशेष परिस्थितियों में इसका महत्व और बढ़ गया है। हाल के वर्षों में, विशेषकर पिछले तीन दशकों में, इस सोच का संभवतरू सबसे महत्वपूर्ण पक्ष यह रहा है कि अब धरती पर जीवन के अस्तित्व मात्र का संकट विकट हो रहा है और इस कारण विकल्पों की तलाश और भी बहुत जरूरी हो गई है। हालांकि एक तरह से यह सोच 75 वर्ष पहले ही आरंभ हो गई थी जब पहला परमाणु बम हिरोशिमा में गिराया गया था। इसके बाद अस्तित्व का खतरा परमाणु हथियारों के संदर्भ में ही चर्चित होता था। पर जैसे–जैसे पर्यावरण की अनेक गंभीर समस्याओं व विशेषकर जलवायु बदलाव के संकट की गंभीरता स्पष्ट हुई तो अस्तित्व के संकट को अधिक व्यापक संदर्भ में पहचाना जाने लगा। इस संकट की व्यापकता और गंभीरता वर्ष 1990 तक स्पष्ट हो चुकी थी। वर्ष 1992 में विश्व के 1575 वैज्ञानिकों ने (जिनमें उस समय जीवित नोबल पुरस्कार प्राप्त वैज्ञानिकों में से लगभग आधे वैज्ञानिक भी सम्मिलित थे) एक बयान जारी किया, जिसमें उन्होंने कहा, हम मानवता को इस बारे में चेतावनी देना चाहते हैं कि भविष्य में क्या हो सकता है? पृथ्वी और उसके जीवन की व्यवस्था जिस तरह हो रही है उसमें एक व्यापक बदलाव की जरूरत है अन्यथा बहुत दुख–दर्द बढ़ेंगे और हम सबका घर यह पृथ्वी इतनी बुरी तरह तहस–नहस हो जाएगी कि फिर उसे बचाया नहीं जा सकेगा। आगे इन वैज्ञानिकों ने कहा कि वायुमंडल, समुद्र, मिट्टी, वन और जीवन के विभिन्न रूपों सभी पर तबाह हो रहे पर्यावरण का बहुत दबाव पड़ रहा है और वर्ष 2100 तक पृथ्वी के विभिन्न जीवन रूपों में से एक तिहाई लुप्त हो सकते हैं। मनुष्य की वर्त्तमान जीवन–पद्धति के अनेक तौर–तरीके भविष्य में सुरक्षित जीवन की संभावनाओं को नष्ट कर रहे हैं और इस जीती–जागती दुनिया को इतना बदल सकते हैं कि जिस रूप में जीवन को हमने जाना है, उसका अस्तित्व ही कठिन हो जाए। इन प्रतिष्ठित वैज्ञानिकों ने जोर देकर कहा कि प्रकृति की इस तबाही को रोकने के लिए बुनियादी बदलाव जरूरी है। बीसवीं शताब्दी की एक खास विशेषता, जो इसे पहले की शताब्दियों से एक अलग पहचान देती है, यह है कि इस शताब्दी के अंत तक पंहुचते–पहुंचते अनेक मानव निर्मित कारणों से ऐसी परिस्थितियां उत्पन्न हो चुकी हैं जिनसे पृथ्वी पर मानव जीवन व अनेक अन्य तरह के जीवन का अस्तित्व ही खतरे में पड़ गया है। मनुष्य ने अपने कार्यों से अपने अस्तित्व को ही खतरे में डाल दिया व साथ ही अनेक अन्य तरह के बेकसूर जीवों के अस्तित्व को भी– अब चाहे यह खतरा जलवायु तेजी से बदलने के रूप में उत्पन्न हुआ हो, ओजोन परत तेजी से लुप्त होने के रूप में हो, अणु हथियारों के विशालकाय भंडार के रूप में हो या अन्य तरह का हो। वर्ष 1992 की चेतावनी के 25 वर्ष पूरा होने पर एक बार फिर विश्व के बहुत जाने–माने वैज्ञानिकों ने वर्ष 2017 में एक नई अपील जारी की। इस अपील पर पहले से भी अधिक ध्यान आकर्षित हुआ। इस पर 180 देशों के 13,524 वैज्ञानिकों व अन्य प्रतिष्ठित व्यक्तियों ने हस्ताक्षर किया। इस बयान में कहा गया कि जिन गंभीर समस्याओं की ओर वर्ष 1992 में ध्यान दिलाया गया था उनमें से अधिकांश समस्याएं पहले से अधिक विकट हो रही हैं या उनको सुलझाने के प्रयास में कोई उल्लेखनीय प्रगति नहीं है। केवल ओजोन परत संबंधी समस्या में कुछ महत्वपूर्ण उल्लेखनीय सफलता मिली है। अस्तित्व को संकट में डालने वाली अन्य समस्याएं पहले की तरह गंभीर स्थिति में मौजूद हैं या फिर उनकी स्थिति और विकट हुई है। दूसरी ओर ऐसी समस्याओं का समाधान धरती पर जीवन के अस्तित्व मात्र की रक्षा के लिए बहुत जरूरी है। स्टॉकहोम रेसिलियंस सेंटर के वैज्ञानिकों के अनुसंधान ने हाल के समय में धरती के सबसे बड़े संकटों की ओर ध्यान केंद्रित करने का प्रयास किया है। यह अनुसंधान बहुत चर्चित रहा है। इस अनुसंधान में धरती पर जीवन की सुरक्षा के लिए नौ विशिष्ट सीमा–रेखाओं की पहचान की गई है जिनका अतिक्रमण मनुष्य की क्रियाओं को नहीं करना चाहिए। गहरी चिंता की बात है कि इन नौ में से तीन सीमाओं का अतिक्रमण होना आरंभ हो चुका है। यह तीन सीमाएं हैं– जलवायु बदलाव, जैव–विविधता का ह्रास व भूमंडलीय नाईट्रोजन चक्र में बदलाव। इसके अतिरिक्त चार अन्य सीमाएं ऐसी है जिसका अतिक्रमण होने की संभावना निकट भविष्य में है। यह चार क्षेत्र हैं।

बंगाल में मनोविकृति के लक्षण सड़क पर

सर्वमित्रा सुरजन

प. बंगाल में बीजेपी का परिवर्तन निर्दोषों के खून से लिखा जा रहा है। यह गंभीर आरोप तृणमूल कांग्रेस ने भाजपा पर लगाया है। दरअसल चार मई को जैसे–जैसे भाजपा के पक्ष में नतीजे आते गए और यह तय होने लगा कि अब प.बंगाल से तृणमूल कांग्रेस की सत्ता जा रही है, ममता बनर्जी का शासन खत्म हो रहा है, भाजपा समर्थकों का उत्साह बढ़ने लगा। इसमें कुछ गलत भी नहीं है, क्योंकि भाजपा ने इस दिन के लिए 15 साल लंबा इंतजार भी किया है। पिछले दो बार के चुनावों में भी नरेन्द्र मोदी और अमित शाह ने कई–कई दिन तक सभाएं कीं, अपने तमाम दिग्गज नेताओं को चुनाव प्रचार में उतारा, फिर भी सफलता हाथ नहीं आई। इस बार भी सब तरह के तरीके भाजपा ने आजमाए और आखिर में जब वो विजेता घोषित हुई तो उसके समर्थकों की खुशी जायज है। लेकिन क्या यह खुशी भाजपा की जीत से ज्यादा टीएमसी की हार की है। क्योंकि खुशी बांटने का तरीका तोड़–फोड़ या हिंसक व्यवहार प्रदर्शन से तो नहीं होता है। दूसरे को तकलीफ पहुंचा कर जिन्हें खुशी मिलती है, उसके लिए संस्कृतनिष्ठ हिंदी में एक शब्द है परपीड़क सुख। यह एक किस्म का मनोविकार है। क्योंकि आम तौर पर व्यक्ति तब हिंसक होता है, जब उसे खुद पर किसी किस्म का खतरा दिखाई देता है। आत्मरक्षा में वह भी हिंसा का सहारा लेता है या उसे किसी बात पर इतना गुस्सा आ जाता है कि वह खुद पर काबू नहीं रख पाता और हिंसक हो जाता है। लेकिन गुस्सा शांत होते ही सामान्य व्यक्ति को अपनी हिंसा पर पछतावा भी होता है। लेकिन जिन लोगों में परपीड़क सुख का व्यक्तित्व विकार होता है, वे दूसरों को चोट पहुंचाने में आनंद का अनुभव करते हैं, उन्हें न पछतावा होता है, न पश्चाताप। इस विकार के मुख्य घटकों में नुकसान पहुंचाने का इरादा, दूसरों को पीड़ा पहुंचाने में आनंद प्राप्त करना और पश्चाताप का अभाव शामिल हैं। ऐसी विकृति के शिकार लोगों के कुछ खास लक्षण भी मनोविज्ञान में बताए गए हैं। जैसे वे बेहद असुरक्षित, कायर होते हैं, खतरे से डरते हैं और बहादुर होने का दिखावा करते हैं। वे अमानवीय प्रकृति के होते हैं, हिंसक होते हैं। अपनी दुर्भावनाओं का नाटकीय चित्रण करते हैं। दबी हुई निराशा या अपमान की भावनाओं को बाहर निकालने के लिए आक्रामकता का उपयोग करते हैं। ये सारे लक्षण इस समय बंगाल की सड़कों पर भाजपा की जीत की खुशी मनाते कई लोगों में, खासकर पुरुषों में देखे जा सकते हैं। कुछ भयावह वीडियो सामने आए हैं, जिनसे इस बात को कुछ और स्पष्टता के साथ समझा जा सकता है। एक वीडियो में नरेन्द्र मोदी की शक्ल का मास्क लगाकर एक आदमी, एक महिला को रस्सी से बांध कर खींच रहा है, जिसने सफेद और नीली साड़ी पहनी है। महिला को ममता बनर्जी की तरह दिखाने की कोशिश की गई है। इस महिला का जुलूस निकाला जा रहा है और उसमें भाजपा के झंडे के साथ कई आदमी और औरतें चल रही हैं। एक और वीडियो में एक आदमी को ममता बनर्जी जैसी साड़ी और हुलिए में दिखाकर जय श्रीराम के नारे लगाए जा रहे हैं, उस व्यक्ति को भी बांध कर जुलूस निकाला जा रहा है और उस पर चप्पल भी बरसाई जा रही है। कांग्रेस नेता सुप्रिया श्रीनेत ने इस पर टिप्पणी की है मोदी जी के नाम पर, सारे मवाली मैदान में। मोदी मास्क लगा कर महिला को रस्से से बांध कर खींचने वाला भाजपा कार्यकर्ता बंगाल में नारी वंदन का पोस्टर बॉय है। बेशक ऐसी हरकतों से साफ नजर आता है कि भाजपा के लिए नारी वंदन भी चुनावी पैंतरे से ज्यादा और कुछ नहीं है। वैसे भी नारी को वंदना के लायक बताने का खेल सदियों से पितृसत्तात्मक समाज खेलता आया है। एक तरफ उन्हें भरम में रखो कि हम तो तुम्हें देवी बनाकर पूजते हैं और दूसरी तरफ उन्हें अपमानित, प्रताड़ित, शोषित करते रहो। मोदी सरकार भी जिस तरह से नारी वंदन अधिनियम लेकर आई, वह नाम के खिलवाड़ से ज्यादा कुछ नहीं है। महिलाओं को सशक्त करने के लिए नाम की नहीं काम की और उससे पहले इरादे की जरूरत होती है, जिसका अभाव मोदी सरकार और भाजपा में साफ नजर आता है। नारी वंदन की जगह आज नारी विमर्श की जरूरत है, लेकिन वह भाजपा के दायरे में कहीं होता हुआ नहीं दिख रहा है। जो दिख रहा है, वह यही कि महिलाओं को रस्सी से बांधकर घसीटा और मारा जा रहा है। भले यह असल में नहीं हो रहा है, लेकिन जो नफरत है, वह तो बिल्कुल असली है। नरेन्द्र मोदी और अमित शाह का दीदी ओ दीदी, ऐई दीदी कहना अगर शाब्दिक हिंसा के समान था, तो अब उनके कार्यकर्ता अपनी कुंठा को ममता बनर्जी का स्वांग धरे पुरुष पर या एक महिला को ममता बनर्जी के समान दिखाकर जिस तरह निकाल रहे हैं, वह न केवल बंगाल के लिए बल्कि पूरे देश के लिए गंभीर चिंता की बात होनी चाहिए। क्योंकि जब यह कुंठा और परपीड़क सुख का विकार असल में निकलता है तो फिर मणिपुर जैसी घटनाएं घटती हैं। यूं तो पूरे देश में स्त्रियां बेहद असुरक्षित हैं। 3–4 साल की बच्चियों से लेकर 80–90 साल की वृद्धाएं कोई भी सुरक्षित नहीं है। लेकिन 2023 में मणिपुर में कुकी जोमी समुदाय की दो महिलाओं के साथ भीड़ ने जो सुलूक किया था, उसे याद करके रोंगटे खड़े हो जाते हैं। नफरत से भरी भीड़ ने इन महिलाओं को नग्न करके जुलूस निकाला था, उनके साथ बलात्कार किया और इस घटना से पहले जब इन महिलाओं ने एक पुलिस जीप में बैठकर अनुरोध किया था कि उन्हें बचा लें, तो उन्हें कहा गया कि चाबी नहीं मिल रही है।

सीमा वर्णिका की कलम से

'जाड़े की धूप'

सीमा वर्णिका

घने कोहरे में दुकान के शेड के नीचे सिकुड़ी बैठी वृद्धा ठंड से काँप रही थी। हाड़ कंपाती ठंड उसे यमदूत सदृश्य लग रही थी। उसे लग रहा था शायद वह कल का सूरज नही देख पाएगी ।वह मन ही मन भगवान को याद कर रही थी। पहाड़ों पर बर्फबारी से आज ठंड कुछ ज्यादा ही बढ गयी थी। शुभ्रा को आज ऑफिस से लौटने में बहुत देर हो गई थी। आज मीटिंग लम्बी चली। वह जल्दी से घर पहुँचना चाहती थी और सड़क पर दूर दूर तक कोई टैक्सी भी नजर आ रही थी। कोहरा गहराता जा रहा था, सड़क पर सन्नाटा बढ चला था। एक दो गाड़ी का कहीं दूर हार्न सुनाई दे जाता या लाइट का धुंधलका नजर आता।

शुभ्रा तेज तेज कदम बढ़ा रही थी, इधर उधर भी देख रही थी। शायद कुछ साधन मिल जाए। उसने पर्स से फोन निकाला। ठंड में हाथ भी काम नहीं कर रहे थे,किसी तरह शरद का नंबर मिला, उफ!समय पर कभी फोन नहीं लगता, शुभ्रा बड़बड़ायी। तभी उसकी नजर थोड़ी दूर खड़े दो व्यक्तियों पर पड़ी। वह उसे ही घूर रहे थे। कुछ संदिग्ध प्रतीत हो रहे थे। वह सड़क से हटकर दुकान के शेड की ओर बढ़ गयी। फिर से फोन मिलाने की कोशिश करने लगी तभी उनमें से एक आदमी उसके पास तेजी से आया और उसका पर्स छीन कर भागने वाला ही था,उसके पैर पर किसी ने जोर से डंडा मारा। वह अचानक हुए हमले से सम्भल नही पाया, असंतुलित हो कर गिर पड़ा। शुभ्रा ने लपक कर अपना पर्स उठा लिया। वह आदमी उठा और तेजी से कोहरे में विलीन हो गया।

शुभ्रा संयत हुयी उसने गौर किया इस अंधेरे और भयंकर सन्नाटे में उसकी रक्षा करने वाला कौन है? अरे!माता जी आप ,ठंड से काँप रही वृद्धा को देख उसका मन भर आया। वृद्धा का सहारा देने वाला डंडा आज किसी की रक्षा के लिए हथियार बन गया था। इधर शुभ्रा का फोन भी घर पर मिल गया था। शरद गाड़ी लेकर निकल चुका था। वह वृद्धा से बोली, ष्माता जी यहाँ बहुत ठंडक है आपको कहाँ जाना है..आप इस समय यहाँ कैसे बैठीं हैं..फिलहाल आप मेरे घर चलें ष्। वृद्धा की आँखें गीली हो गयीं, वह बहुत मना करती रही पर शुभ्रा कहाँ मानने वाली थी। शरद भी आ गया था।

दोनों मिलकर वृद्धा को घर ले आये। भोजन कराया। अच्छे कपड़े पहनने को दिये। फिर उनके सोने की व्यवस्था माँजी के कमरे में कर दी। अभी माँजी का स्वर्गवास हुए कुछ ही वक्त बीता था, उनका कमरा खाने को दौडता था। वृद्धा बहुत संकोच के साथ किसी तरह खा पी कर बिस्तर पर लेट गयी। उसे सब कुछ अपने पुनर्जन्म सा प्रतीत हो रहा था। शुभ्रा शरद को अपनी माँजी की वापसी दिख रही थी।

वृद्धा को अपने पुराने दिन याद आ गये, उसके बच्चों ने जिन्हें उसने कितनी मेहनत और अरमानों से पाला था। उन सबने उसे घर से बाहर निकाल दिया और यह अजनबी दूसरों के बच्चे उसको अपने घर ले आये और सहारा बने। आँखों में नींद कहाँ, अतीत चलचित्र भाँति घूम रहा था। हाँ, बिस्तर की गुनगुनाहट आराम दे रही थी। बाहर खटपट सुनाई देने लगी, सूरज की रोशनी खिडकी के शीशे से छनकर कमरे मे आने लगी थी। उसने उठ कर खिडकी खोल दी। ईश्वर को मन ही मन धन्यवाद दिया। आज उसे जाड़े की धूप सचमुच सुखदायी लग रही थी। आज एक अधूरी कहानी को सुखद अंत मिल रहा था।

ग़ज़ल

पुरानी शाख़ पर लौटा परिंदा
यक़ीनन इश्क़ में सच्चा परिंदा

मैं उससे मिलके बरसों बाद रोया
गले लगकर बहुत सिसका परिंदा

वहाँ पर पीर – पैग़म्बर बहुत थे
वहाँ करता तो क्या करता परिंदा

दबा था चोंच में बेनाम सा ख़त
मिला तो खून से तर था परिंदा

वो जिसकी कूक से जगते थे मौसम
शहर से जा चुका ऐसा परिंदा

– डॉ० अवनीश यादव
पी०ई०एस०
(प्रांतीय शिक्षा सेवा संवर्ग)
उत्तर प्रदेश

बंगाल और तमिलनाडु में कौन बनेगा मुख्यमंत्री

पांच राज्यों में विधानसभा चुनावों के नतीजों के बाद अब सरकार गठन की हलचल तेज है, जिसमें सबसे ज्यादा चर्चा में प.बंगाल और तमिलनाडु हैं। प.बंगाल में भाजपा को स्पष्ट बहुमत मिला है और वहां अब तक यही माना जा रहा है कि सुवेन्दु अधिकारी ही मुख्यमंत्री पद के दावेदार होंगे। क्योंकि पिछले सत्र में वे नेता प्रतिपक्ष थे। लेकिन मोदी–शाह की चौंकाने वाली राजनीति के कारण इस बारे में स्पष्ट तौर पर कोई दावा नहीं किया जा रहा। यह भी कहा जा रहा है कि किसी महिला चेहरे को भाजपा आगे लाएगी। इससे एक तरफ ममता बनर्जी के मुकाबले एक महिला नेता को बंगाल में खड़ा किया जाएगा और दूसरी तरफ भाजपा अपने नारी वंदन वाले सियासी पैंतरे को भी धार देगी। हालांकि भाजपा की सरकार गठन की तैयारियों के बीच मंगलवार को जब ममता बनर्जी ने यह ऐलान किया कि वे इस्तीफा नहीं देंगी, तो इस पर सवाल उठने शुरु हो गए कि क्या ऐसा संभव है कि कोई विधानसभा चुनाव हारने के बाद पद से हटने तैयार न हो। लेकिन ममता बनर्जी ने एक बात और भी कही थी कि अब वे आजाद चिड़िया की तरह हैं, जिन पर कोई जिम्मेदारी नहीं है, तो वे अब सड़क पर उतर कर लड़ाई लड़ेंगी। यानी इस्तीफा न देने वाली बात अपने संघर्ष को आगे बढ़ाने के संकेत के तौर पर कही गई है। संविधान के अनुच्छेद 172 की व्यवस्था है कि किसी राज्य में पांच साल का कार्यकाल पूरा होने के बाद विधानसभा स्वतरूभंग हो जाती है। वर्तमान बंगाल विधानसभा का कार्यकाल 8 मई 2021 से शुरू हुआ था और यह 7 मई को समाप्त हो रहा है। इसके बाद राज्यपाल को नयी विधानसभा के गठन की प्रक्रिया शुरू करनी होगी। अर्थात नए विधायकों को शपथ दिलाई जाएगी और नयी सरकार का गठन किया जाएगा। कल के बाद ममता बनर्जी का यूं भी सरकार पर कोई हक नहीं रहेगा। इसके अतिरिक्त संविधान के अनुच्छेद 164 के तहत राज्यपाल के पास सैद्धांतिक शक्ति होती है, जिसके अनुसार, मुख्यमंत्री राज्यपाल की इच्छा तक अपने पद पर रहता है। यानी विधानसभा कार्यकाल समाप्त होने और चुनाव हारने के बाद भी अगर ममता बनर्जी कहें कि मैं पद से नहीं हटूंगी तो राज्यपाल उन्हें बर्खास्त कर सकते हैं। लेकिन इसकी नौबत नहीं आएगी, क्योंकि खुद ममता बनर्जी ऐसे असंवैधानिक तरीके आजमा कर अपने संघर्ष को कमजोर नहीं करेंगी। अब कल के बाद भाजपा किसे विधायक दल का नेता चुनती है, यह देखना होगा। इधर तमिलनाडु में भी सरकार गठन की पहल खासी दिलचस्प हो चुकी है। इस बार पहली बार चुनावी मैदान में उतरी तमिलगा वेत्री कड़गम (टीवीके) सबसे बड़ी पार्टी बनकर उभरी और उसके नेता थलापति विजय दो–दो सीटों से जीते। लेकिन टीवीके बहुमत के 118 के आंकड़े को पार नहीं कर सकी। टीवीके के पास 108 सीटें हैं और विजय जब एक सीट से इस्तीफा देंगे तो टीवीके के पास 107 सीटें रहेंगी। ऐसे में उसे सरकार बनाने के लिए अन्य दलों का सहयोग लेना होगा। नतीजों वाले दिन ही विजय के पिता चंद्रशेखर ने कांग्रेस को साथ आ कर सरकार बनाने का न्यौता दिया था। राहुल गांधी ने विजय को जीत की बधाई भी दी थी। इसके अलावा विजय ने भी मल्लिकार्जुन खड़गे से बात की थी। इसके बाद कांग्रेस हाईकमान ने फैसला तमिलनाडु राज्य ईकाई पर छोड़ दिया था। अब तमिलनाडु कांग्रेस ने सरकार बनाने के लिए टीवीके को समर्थन देने पर सहमति जताई है। एआईसीसी के तमिलनाडु प्रभारी गिरीश चौडनकर की तरफ से बुधवार को जारी प्रेस विज्ञप्ति में कहा गया है, श्हमारा समर्थन इस शर्त पर होगा कि टीवीके इस गठबंधन से उन सांप्रदायिक ताकतों को दूर रखे जो भारत के संविधान में विश्वास नहीं करतीं।य इस तरह कांग्रेस ने साफ कर दिया कि अगर विजय एआईएडीएमके या बीजेपी की तरफ झुकाव दिखाते हैं तो वह समर्थन वापस भी ले लेगी। हालांकि ऐसा होने की उम्मीद कम ही है। ध्यान रहे कि तमिलनाडु में कांग्रेस डीएमके के साथ गठबंधन में थी और पिछले विधानसभा चुनाव के अलावा लोकसभा चुनाव भी दोनों ने मिल कर लड़ा था। राहुल गांधी और एम के स्टालिन के बीच हमेशा मधुर संबंध दिखे हैं, दोनों नेताओं ने कई मौकों पर एक–दूसरे की सार्वजनिक तौर पर तारीफ की है।

रचना सक्सेना के गीत

पीड़ा का विस्तार हुआ तो, मुरझाई कलियाँ।
मुखर वेदना क्षुब्ध हृदय की, अगियारी गलियाँ।।

सपन सलोने नव यौवन के, उन्मादी दृग में।
रही बूढ़ती ज्यों कस्तूरी, अभिलाषा मृग में।।
कुछ स्वप्न अधूरे टूटे तो, नम होती अखियाँ।
पीड़ा का विस्तार हुआ तो, मुरझाई कलियाँ।।

अद्भुत मुक्ता सा प्रिय साथी, कंठहार सजता।
हृदय भरा निस्वार्थ प्रेम था, जिसको मन भजता।।
वही पिलाता गरल का प्याला, बही अश्रु नदियाँ।
पीड़ा का विस्तार हुआ तो, मुरझाई कलियाँ।।

पर हित में निस्वार्थ भाव से, दी आहुति जिसने।
पल - पल छले गये वो जग से, अग्निशिखा वन में।।
अमर हुई वो पावन अर्चन, यह कहती सदियाँ।
पीड़ा का विस्तार हुआ तो, मुरझाई कलियाँ।।

रचना सक्सेना
प्रयागराज

करियर के पीक पर गजनी गर्ल आसिन ने अचानक छोड़ दिया बालीवुड पहली ही फिल्म में कमाए 100 करोड़

बॉलीवुड में ऐसी बहुत सी एक्ट्रेस हैं, जिन्होंने इंडस्ट्री को बहुत सी हिट फिल्में दी हैं लेकिन कुछ समय बाद ही उन्होंने एक्टिंग को अलविदा कह दिया है। ऐसी हीरोइन चंद फिल्मों को करने के बाद भी लोगों के दिलों में बहुत जल्दी जगह बना लेती हैं। बॉलीवुड में भी एक ऐसा नाम है और वो है। गजनी फिल्म से घर–घर में पहचान बनाने वाली आसिन बहुत सालों से इंडस्ट्री से गायब हैं। बता दें कि असिन थोट्टुमकल अपने समय में पॉपुलर एक्ट्रेसेज में गिनी जाती थीं। बॉलीवुड में उनकी पहली फिल्म गजनी थी और पहली फिल्म में ही उन्होंने 100 करोड़ क्लब वाली फिल्मों में आकर इतिहास रच दिया। इसके बाद भी उन्होंने बहुत सी हिट फिल्में दीं लेकिन करियर के पीक पर आके उन्होंने एक्टिंग को अलविदा कह दिया। उनका यह फैसला पूरी इंडस्ट्री के लिए बेहद ही शॉकिंग था। एक्टिंग और फिल्मों के बाद उनकी लव स्टोरी ने भी काफी सुर्खियां बटोरीं। आपको बता दें कि 15 साल से ही आसीन ने इंडस्ट्री में अपना पैर रख दिया था और मलयालम फिल्मों के जरिये हर दिल में उन्होंने अपनी खास जगह बनाई। देखते ही देखते एक समय ऐसा आया कि हर कोई उनका दीवाना बनता गया और वो जल्द ही टॉप एक्ट्रेसेस की सूची में शामिल हो गईं। 2008 में उन्होंने बॉलीवुड में अपना कदम रखा और आमिर खान के साथ गजनी मूवी की। यह मूवी दर्शकों को इतनी पसंद आई की बॉक्स ऑफिस पर इसने 100 करोड़ से भी अधिक कमाई की। मलयालम के बाद बॉलीवुड में भी उन्होंने अपनी छाप छोड़ दी। इसके बाद इन्होने सलमान खान, अजय देवगन और अभिषेक बच्चन के साथ भी काम किया और वो सबसे ज्यादा खास बन गईं। हर कोई फेमस होने के बाद बहुत मेहनत करता है। इसी तरह की मेहनत असीन ने भी कि लेकिन जब वो फेमस हुई तो उन्होंने अचानक ही एक्टिंग को अलविदा बोल दिया। बड़े–बड़े लोग उनके साथ मूवी करने को तैयार थे लेकिन यह सब छोड़कर उन्होंने माइक्रोमैक्स के को–फाउंडर राहुल शर्मा से शादी कर ली। इसके बाद उनका सारा ध्यान अपनी फॅमिली में लग गया और वो नार्मल व्यक्ति की तरफ अपना जीवन जीने लगीं।

> “
> इसी तरह की मेहनत असीन ने भी कि लेकिन जब वो फेमस हुई तो उन्होंने अचानक ही एक्टिंग को अलविदा बोल दिया। बड़े-बड़े लोग उनके साथ मूवी करने को तैयार थे लेकिन यह सब छोड़कर उन्होंने माइक्रोमैक्स के को-फाउंडर राहुल शर्मा से शादी कर ली।

दूसरी बार मां बनीं टीवी एक्ट्रेस आशका गोराडिया, तस्वीर के साथ शेयर की खुशखबरी, बेटे का रखा खूबसूरत नाम

टीवी एक्ट्रेस आशका गोराडिया ने गुड न्यूज शेयर की है। आशका ने दूसरे बेटे को जन्म दिया है। आशका और उनके पति ब्रेंट गोबल ने अब फैंस के साथ ये खुशखबरी साझा की है। सोशल मीडिया पर एक खूबसूरत फोटो के साथ कपल ने अपन बेटे के नाम का भी खुलासा किया है। साथ ही चार सदस्यों के परिवार के रूप में एक नए चौप्टर की शुरुआत को लेकर शुक्रिया भी अदा किया है। आशका ने अपने आधिकारिक इंस्टाग्राम पर एक तस्वीर साझा की है। इसमें कपल और उनके बड़े बेटे के हाथ नजर आ रहे हैं, जिसमें वो नवजात को थामे हुए हैं। इस तस्वीर को साझा करते हुए एकट्रेस ने कैप्शन में एक दिल छू लेने वाला नोट भी लिखा है। इसमें उन्होंने खुशखबरी साझा करते हुए कहा, '1 मई 2026 को हमारे दिलों में आए हमारे बेटे रिचर्ड थियोडोर गोबल का आगमन हुआ। एक बार फिर भगवान की करनी पर हमारा भरोसा बढ़ गया। हमें मिले सभी उपहारों और खुशखबरियों के लिए ईश्वर का तहे दिल से शुक्रिया। एक और बेटे के साथ विलियम अलेक्जेंडर के लिए भाईचारे का एक नया बॉन्ड शुरू हुआ है। दो बेटे आने वाले दिनों में कितने रोमांच हमारा इंतजार कर रहे हैं।' पिछले साल दिसंबर में आशका और ब्रेंट ने अपनी शादी की आठवीं सालगिरह मनाते हुए अपनी दूसरी गर्भावस्था की घोषणा की थी। आश्का गोराडिया और ब्रेंट गोबल ने 2017 में हिंदू और ईसाई दोनों रीति–रिवाजों से शादी की थी। अक्तूबर 2023 में उनके बेटे विलियम अलेक्जेंडर के जन्म के साथ वे पहली बार पेरेंट्स बने। आशका को 'कुसुम', 'लागी तुझसे लगन' और 'नागिन' जैसे पॉपुलर टीवी शो के लिए जाना जाता है।

`द साइलेंट सेवियर गवर्नर' का दमदार टीजर रिलीज, मनोज बाजपेयी निभाएंगे आरबीआई गवर्नर का किरदार

बॉलीवुड अभिनेता मनोज बाजपेयी के जन्मदिन पर उनकी आगामी फिल्म 'द साइलेंट सेवियर गवर्नर' का पोस्टर सामने आने के बाद से ही फिल्म चर्चा में बनी हुई थी। अब मेकर्स ने इसका दमदार टीजर भी रिलीज कर दिया है, जिसने दर्शकों की उत्सुकता और बढ़ा दी है। टीजर में एक गंभीर और प्रभावशाली कहानी की झलक देखने को मिलती है, जो देश के आर्थिक इतिहास के एक अहम दौर को पर्दे पर लाने वाली है। द साइलेंट सेवियर गवर्नर' सच्ची घटनाओं से प्रेरित फिल्म है, जो 1990 के दशक में भारत के सबसे बड़े आर्थिक संकट यानी इकोनॉमिक मेल्टडाउन की कहानी को दिखाती है। फिल्म में मनोज बाजपेयी एक आरबीआई गवर्नर के किरदार में नजर आएंगे, जो देश को आर्थिक संकट से उबारने की कोशिश करता है। यह किरदार उनके अब तक के निभाए गए रोल्स से काफी अलग और चुनौतीपूर्ण माना जा रहा है। फिल्म को सनशाइन पिक्चर्स के बैनर तले प्रस्तुत किया गया है। इसके निर्माता विपुल अमृतलाल शाह हैं, जबकि निर्देशन मराठी सिनेमा के चर्चित अभिनेता–निर्देशक चिन्मय मांडलेकर ने किया है। फिल्म की कहानी सुवेंदु भट्टाचार्जी, सौरभ भारत, रवि असरानी और विपुल अमृतलाल शाह ने मिलकर लिखी है। फिल्म का संगीत अमित त्रिवेदी ने तैयार किया है, जबकि गीतों के बोल मशहूर गीतकार जावेद अख्तर ने लिखे हैं। मेकर्स के अनुसार, यह फिल्म सिर्फ एक राजनीतिक या आर्थिक ड्रामा नहीं होगी, बल्कि देश के इतिहास के एक महत्वपूर्ण अध्याय को दर्शकों के सामने लाने का प्रयास करेगी। फिल्म 12 जून 2026 को सिनेमाघरों में रिलीज होगी।

इमोशंस परोसने निकली फिल्म ट्विस्ट्स में उलझी, कपिल शर्मा भी नहीं जमा पाए रंग

फैमिली ड्रामा फिल्मों की सबसे बड़ी ताकत उनकी सादगी और भावनाएं होती हैं। मां–बाप का अकेलापन, बच्चों की व्यस्त जिंदगी और रिश्तों में आती दूरी, ये वो चीजें हैं जिनसे ऑडियंस तुरंत कनेक्ट कर लेती है। श्दादी की शादीश भी इसी इमोशनल जमीन पर खड़ी होने की कोशिश करती है। फिल्म बताती है कि कैसे बच्चे बड़े होने के बाद धीरे–धीरे अपने माता–पिता को टेक फॉर ग्रांटेड लेने लगते हैं। मुद्दा बढ़िया है, इरादा भी नेक है। लेकिन फिल्म की सबसे बड़ी दिक्कत यही है कि यह दिल छूने से ज्यादा दिमाग घुमाने में बिजी हो जाती है। इमोशन परोसने के चक्कर में फिल्म इतनी बार ट्विस्ट मारती है कि आखिर तक आते–आते ऑडियंस खुद पूछने लगती है, श्भाई, आखिर चल क्या रहा है?' कहानी में असली बवाल तब शुरू होता है जब फेसलुक (फिल्म में दिखाया गया सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म) पर हुई एक छोटी–सी टाइपिंग गलती पूरे परिवार को शॉक मोड में डाल देती है। कई साल से व्यस्त बच्चे अचानक शिमला पहुंच जाते हैं। सूना घर फिर से घर जैसा लगने लगता है। अब विमला इस खुशी को खत्म नहीं होने देना चाहतीं और यहीं से शुरू होता है झूठ, ड्रामा, इमोशनल ब्लैकमेल और ट्विस्ट का ऐसा सिलसिला जो खत्म होने का नाम ही नहीं लेता। फिल्म कुछ जगहों पर यह भी दिखाती है कि कैसे बच्चे मां–बाप पर किए खर्च तक गिनवाने लगते हैं। कोई इलाज का हिसाब दे रहा है, कोई टिकट का। मतलब रिश्तों में प्यार कम और एक्सेल शीट ज्यादा चल रही है। इसी बीच कपिल शर्मा भी इस पूरे प्लान का हिस्सा बन जाता है। सुनने में कहानी काफी मजेदार लगती है। शुरुआत में फिल्म दिलचस्पी जरूर पैदा करती है और कुछ समय तक यह जानने में मजा आता है कि कहानी आखिर किस दिशा में जाएगी। लेकिन फिल्म इसे संभाल नहीं पाती। हर 10–15 मिनट में नया ट्विस्ट डालने की कोशिश कहानी को इमोशनल कम और ओवरलोडेड ज्यादा बना देती है। डायरेक्टर आशीष आर. मोहन फिल्म को हल्का–फुल्का फैमिली एंटरटेनर बनाना चाहते हैं। लेकिन फिल्म इमोशन और मेलोड्रामा के बीच ऐसा फंसती है कि आखिर में दोनों का बैलेंस ही बिगड़ जाता है। इस फिल्म की सबसे बड़ी समस्या इसका स्क्रीनप्ले है। ऐसा लगता है जैसे लेखक हर दस मिनट बाद खुद से पूछ रहा हो, श्अब क्या करें?श और सामने से जवाब आता हो, 'भाई, एक और ट्विस्ट दिखा दो।' नतीजा यह होता है कि फिल्म रिश्तों की कहानी कम और टीवी सीरियल वाला फैमिली हंगामा ज्यादा लगने लगती है। कई इमोशनल सीन्स सिर्फ इसलिए असर नहीं छोड़ पाते क्योंकि फिल्म हर सीन में ऑडियंस से जबरदस्ती आंसू निकलवाना चाहती है। अगर फिल्म में कुछ लगातार अच्छा लगता है, तो वो है इसकी सिनेमैटोग्राफी। शिमला की वादियां, मॉल रोड, रिज ग्राउंड और जाखू टेंपल को बेहद खूबसूरती से शूट किया गया है। कई फ्रेम इतने शानदार हैं कि कई बार लगता है कैमरा फिल्म की कहानी से ज्यादा मेहनत कर रहा है। कहानी जहां–जहां थकाती है, वहां–वहां शिमला आंखों को ऑक्सीजन देता है। 'दादी की शादी' एक अच्छी फैमिली फिल्म बन सकती थी। टॉपिक में दम था, कलाकार भी ठीक थे और इमोशंस की पूरी गुंजाइश थी। लेकिन कमजोर स्क्रीनप्ले, जरूरत से ज्यादा ट्विस्ट और फीके डायलॉग्स फिल्म को दिल से ज्यादा दिमाग पर बोझ बना देते हैं। अगर आप सिर्फ नीतू कपूर, शिमला की खूबसूरत लोकेशंस और हल्का–फुल्का फैमिली ड्रामा देखने के मूड में हैं, तो एक बार ट्राय कर सकते हैं। लेकिन अगर आप ऐसी फैमिली फिल्म ढूंढ रहे हैं जो सच में दिल छू जाए, तो यहां मामला थोड़ा उल्टा पड़ जाता है। फिल्म खत्म होने तक आंखें नम कम और दिमाग ज्यादा थका हुआ महसूस होता है।

अनुराग कश्यप की 'बंदर' का धांसू टीजर रिलीज, बॉबी देओल के इंटेंस अवतार ने मचाया तहलका

अनुराग कश्यप की बहुप्रतीक्षित फिल्म 'बंदर' का टीजर आखिरकार रिलीज हो गया है और आते ही इसने दर्शकों के बीच जबरदस्त उत्साह पैदा कर दिया है। बॉबी देओल स्टारर इस फिल्म को निखिल द्विवेदी की सैफरन मैजिकवर्क्स ने प्रोड्यूस किया है, जबकि जी स्टूडियोज इसका समर्थन कर रहा है। फिल्म में बॉबी देओल के साथ सान्या मल्होत्रा, राज बी शेट्टी, सपना पब्बी, सबा आजाद, रिद्धि सेन, जितेंद्र जोशी, इंद्रजीत और नागेश भोसले जैसे शानदार कलाकार नजर आने वाले हैं। खास बात यह है कि 'बंदर' अनुराग कश्यप और बॉबी देओल का पहला सहयोग है, और इस फिल्म में बॉबी का अंदाज अब तक के उनके किरदारों से बिल्कुल अलग दिखाई दे रहा है। टीजर की शुरुआत एक अलग ही ऊर्जा के साथ होती है। 70 के दशक के डिस्को स्टाइल में दिखाई दे रहे बॉबी देओल "कम ऑन बेबी दिल किसको देगी" के रीइमैजिन्ड वर्जन पर थिरकते नजर आते हैं। एनिमल में अपने इंटेंस रोल के बाद बॉबी का यह रंगीन और अनोखा अवतार दर्शकों को काफी आकर्षित कर रहा है। हालांकि, टीजर सिर्फ मस्ती और चमक–दमक तक सीमित नहीं रहता। कुछ ही पलों में इसका टोन पूरी तरह बदल जाता है और कहानी एक रहस्यमयी तथा इमोशनल दिशा पकड़ लेती है। हर नए दृश्य के साथ फिल्म की बेचैनी और इंटेंसिटी बढ़ती जाती है, जो अनुराग कश्यप की खास स्टोरीटेलिंग स्टाइल को साफ दर्शाती है। फिल्म की कहानी और लेखन सुदीप शर्मा और अभिषेक बनर्जी ने किया है, जो पाताल लोक, कोहरा और उड़ता पंजाब जैसी चर्चित परियोजनाओं के लिए जाने जाते हैं। उनकी लेखनी और अनुराग कश्यप का निर्देशन मिलकर 'बंदर' को एक अलग सिनेमाई अनुभव बनाने का वादा करते हैं।'बंदर' 5 जून 2026 को दुनियाभर के सिनेमाघरों में रिलीज होगी।

नवजात बच्चों को जरूर कराएं ये एक्सरसाइज, शरीर के साथ दिमाग भी रहेगा स्वस्थ

शरीर को सेहतमंद बनाए रखने के लिए एक्ध्सरसाइज बहुत जरूरी होती है। इसीलिए हर उम्र के लोगों को किसी ना किसी तरह से फिजिकली एक्टिविटी करते रहने की सलाह दी जाती है। वहीं कुछ एक एक्सरसाइज नवजात शिशु को भी करवाई जाती हैं। बच्चे के विकास में कुछ प्रभावी तकनीकें सहायता और फ्लेक्सिबिलिटी में सुधार लाने का काम कर सकती हैं। नवजात बच्चे को एक्सरसाइज करवाने से बच्चे की हड्डियां, जोड़ और मांसपेशियां मजबूत होती हैं। इसके साथ ही बच्चे के मोटर स्किल्स को भी मदद मिलती है।

एक साल से कम उम्र के बच्चे के लिए एक्सरसाइज

नेशनल हेल्थ सर्विस के मुताबिक बच्चे को पूरा दिन एक्टिव रखने का प्रयास करना चाहिए। आप बच्च्चे को हर रोज कई तरीकों से एक्टिव रख सकते हैं। उदाहरण के तौर पर घुटनों के बल चलना। यदि बच्चे ने अपने उम्र के हिसाब से अभी तक चलना शुरू नहीं किया है तो आप अपने बच्चे को पुशिंग, उसके सिर का हिलाने, पुलिंग, बॉडी और हाथ–पैरों को स्ध्ट्रेच आदि कुछ एक्टिविटीज करवानी चाहिए।

बच्चे के लिए टमी टाइम दें

NHS के अनुसार, जब बच्चा जागा हुआ हो तो उसे दिनभर में करीब आधे घंटे के लिए टमी टाइम जरूर करवाएं। जब बेबी खुद से मूव करने लगे तो जितना हो सके उतना ज्यादा से ज्यादा खेलने दें और एक्टिव रहने दें।

बच्चे को ना रखें इनएक्टिव

Pregnancybirthbaby-org के मुताबिक नवजात बच्चे से लेकर 1 साल तक के बच्चे को सुपरवाईज्ध्ड फ्लोर प्ध्ले जरूर करवाना चाहिए। बच्चे को एक घंटे से अधिक देर तक इनएक्टिव नहीं रखना चाहिए। बता दें कि 1 से 5 साल तक के बच्चों को पूरे दिन में कम से कम 3 घंटे के लिए फिजिकल रूप से एक्टिव रहना चाहिए। वहीं 5 से 17 साल के बच्चों कि पूरे दिन में कम से कम 1 घंटे मॉडरेट से कठिन फिजिकल एक्टिविटीज करनी चाहिए। वहीं सप्ताह में कम से कम 3 दिन ऐसी एक्टिविटीज में हिस्सा जरूर लेना चाहिए, जिससे कि उनकी मांसपेशियां और हड्डियां मजबूत हों।

बच्चे को कराएं बाईसाईक्लिंग

कई पैरेंट्स अपने बच्च्चों को कोलिक पेन, कब्ज्ज या गैस आदि से राहत दिलाने के लिए बच्च्चे के पैरों को साइकिल की तरह चलाते हैं। ये एक्सरसाइज घुटनों, कूल्ध्हों, बच्च्चे के जोड़ों और पेट की मांसपेशियों के लिए काफी अच्च्छी रहती है। इससे बच्चों की टांगों में लचीलापन आता है। इसके लिए सबसे पहले आप बच्चे को पीठ के लिए लिटा दें। फिर बच्चे की टांगों को एक–एक कर के अपने हाथों से ऊपर–नीचे करें। यह एक्सरसाइज बच्चों को भी बहुत पसंद होती है।

क्लाइंब माउंटेन

यदि आपके बेबी ने घुटने के बल चलना शुरू कर दिया है तो क्लाइंब माउंटेन एक्सरसाइज उसके लिए बेहतरीन रहेगी। बेबी को यह एक्सरसाइज कराने के लिए बेड पर कुछ तकिए रख दें। फिर बेबी को उन तकिए के ऊपर से चढ़ कर आने के लिए कहें। यह एक्सरसाइज बच्चों के हाथों–पैरों के जोड़ों को मजबूत बनाने में मदद करती है।

प्रेग्नेंसी में कब्ज की वजह से हालत हो गई है खराब तो इन घरेलू नुस्खों से मिलेगी राहत

फल और सब्जियों के साथ रोज खाना शुरू कर दें ये 5 पत्तियां, हर रोग का इलाज है इसमें

एक स्वस्थ आहार में सभी जरूरी पोषक तत्व शामिल होने चाहिए। सिर्फ फल और सब्जियां ही नहीं, बल्कि कई तरह के पत्ते भी आपको सेहत से जुड़े जबरदस्त फायदे दे सकते हैं। सालों से भरोसेमंद रहइ इन जड़ी–बूटियों में कैलोरी कम होती है और ये आसानी से पच जाती हैं। आज हम आपको 5 सबसे सेहतमंद पत्तियों के बारे में बताने जा रहे हैं, जो आपको सालों तक रोगों से दूर तो रखेंगे साथ ही आपके मन को भी हेल्दी रखेंगे।

करी पत्ता

यह पेड़ मूल रूप से भारत का है, और इसकी पत्तियों का इस्तेमाल दवा और खाना पकाने, दोनों कामों के लिए किया जाता है। ये बहुत ज्यादा खुशबूदार होती हैं और इनका स्वाद अनोखा होता है, जिसमें खट्टेपन (साइट्रस) का हल्का सा एहसास होता है। खाना पकाने में इस्तेमाल होने वाली एक बहुमुखी जड़ी–बूटी होने के अलावा, इनमें मौजूद शक्तिशाली पौधों के यौगिकों की वजह से ये सेहत को ढेर सारे फायदे देता है।

करी पत्ते के प्रमुख स्वास्थ्य लाभ

पाचन क्रिया को बढ़ावाः करी पत्ते हल्के रेचक के रूप में कार्य करते हैं, पेट की समस्याओं के उपचार में सहायक होते हैं और पाचन एंजाइमों को उत्तेजित करते हैं।

मधुमेह और कोलेस्ट्रॉल को नियंत्रित करता हैः कार्बोजोल एल्कलॉइड से भरपूर होने के कारण, ये रक्त शर्करा के स्तर को बनाए रखने और ट्राइग्लिसराइड्स को कम करने में मदद करते हैं।

बालों और त्वचा के स्वास्थ्य को बढ़ावा देता हैः एंटीऑक्सीडेंट से भरपूर होने के कारण, ये समय से पहले बालों के सफेद होने से लड़ते हैं, बालों का झड़ना कम करते हैं और त्वचा के संक्रमण का इलाज करते हैं।

पोषक तत्वों से भरपूरः आयरन और फोलिक एसिड की

उच्च सांद्रता इन्हें एनीमिया के खिलाफ प्रभावी बनाती है।

तुलसी के पत्ते

तुलसी को आमतौर पर जड़ी–बूटियों की रानी कहा जाता है, तुलसी के पत्तों में कई औषधीय गुण होते हैं। ये पत्ते आपके मन और शरीर पर शांत प्रभाव डालते हैं, जिससे तनाव और चिंता कम होती है। तुलसी सूजन को कम करने, दिल की सेहत को बेहतर बनाने और पाचन क्रिया को सुध ाारने में भी मदद कर सकती है। यह जड़ी–बूटी एक शक्तिशाली एंटी–बैक्टीरियल एजेंट भी है। हर सुबह तुलसी के पत्तों को कच्चा खाएं, इन्हें अपने जूस में मिलाएं। इनके फायदे पाने के लिए आप तुलसी की चाय भी बना सकते हैं।

नीम की पत्तियां

नीम की पत्तियों के कई महत्वपूर्ण स्वास्थ्य लाभ हैं, जिनमें रोग प्रतिरोधक क्षमता बढ़ाना, ब्लड शुगर को नियंत्रित करना, त्वचा और बालों के स्वास्थ्य को बेहतर बनाना और पाचन क्रिया को सुधारना शामिल है। सूजन–रोधी और एंटीसेप्टिक गुणों से भरपूर होने के कारण, ये एक प्राकृतिक डिटॉक्सिफायर के रूप में काम करती हैं। इनके सामान्य उपयोगों में कच्ची पत्तियों को चबाना, चाय पीना, या त्वचा पर इनका पेस्ट लगाना शामिल है। सुबह खाली पेट नीम की 2द्3 ताजी पत्तिया चबाएं या फिर नीम का जूस भी पी सकते हैं। (केवल किसी विशेषज्ञ की सलाह पर)। नीम के पानी से नहाने से मुंहासे, दाग–धब्बे और ब्लैकहेड्स भी ठीक हो जाते हैं।

पुदीना

पुदीने की पत्तियों में विटामिन सी, आयरन, फोलेट और मैंगनीज भरपूर मात्रा में पाए जाते हैं। ये पत्तियां आपके पाचन तंत्र के लिए फायदेमंद होती हैं। पुदीने की पत्तियां आपके मूड को भी बेहतर बना सकती हैं। अपनी डाइट में पुदीने की पत्तियों को शामिल करने से मुंह की दुर्गंध से छुटकारा पाने में भी मदद मिल सकती है। इसके फायदे लेने के लिए आप पुदीने की कुछ पत्तियां चबा सकते हैं, इनसे सॉस या चटनी बना सकते हैं। इन्हें स्मूदी या जूस में मिला सकते हैं। पुदीने की चाय सिरदर्द और माइग्रेन के हमलों से राहत दिलाने के लिए जानी जाती है।

सहजन

सहजन के पत्ते सेहत के लिए बहुत ही फायदेमंद होते हैं और इनमें एंटीऑक्सीडेंट, विटामिन (ए, सी, ई), आयरन और पोटैशियम की भरपूर मात्रा होने के कारण इन्हें श्सुपरफूडश माना जाता है। ये बहुत ज्यादा पौष्टिक होते हैं, ये इम्यून सिस्टम को मजबूत बनाते हैं, सूजन कम करते हैं, ब्लड शुगर लेवल को कंट्रोल में रखते हैं और पूरी सेहत को बेहतर बनाते हैं। रिसर्च से पता चला है कि सहजन ब्लड शुगर लेवल को कम कर सकता है और इंसुलिन सेंसिटिविटी को बेहतर बना सकता है, जिससे यह डायबिटीज को कंट्रोल करने में मददगार साबित होता है। इनमें विटामिन ए, सी और आयरन की ज्यादा मात्रा होने के कारण शरीर की रोगों से लड़ने की प्राकृतिक क्षमता मजबूत होती है।

कम बजट में घूमना चाहते हैं कर्नाटक तो इन जगहों को करें एक्सप्लोर, सफर बनेगा यादगार

भारत के टॉप 5 पर्यटन स्थलों की लिस्ट में कर्नाटक का नाम भी शामिल है। यहां पर आप बेलगाम से लेकर बैंगलोर तक में घूमने और देखने के लिए काफी कुछ है। इस खूबसूरत राज्य में आपको कई मनमोहक नजारे देखने को मिलेंगे। अगर आप भी कर्नाटक घूमने का प्लान बना रहे हैं तो आज इस आर्टिकल में आपको राज्य की कुछ बेस्ट जगहों के बारे में बताने जा रहे हैं। कर्नाटक जाने के बाद आपको इन जगहों को जरूर एक्सप्लोर करना चाहिए। साथ ही आप यहां पर आने के बाद खुद को प्रकृ ति के और करीब पाएंगे।

कुर्ग हिल स्टेशन

घने पहाड़ों और धुंध से घिरा कूर्ग हिल स्टेशन प्रकृति प्रेमियों के लिए किसी जन्नत से कम नहीं है। कुर्ग शहर विविध वनस्पतियों और जीवों, सुगंधित मसालों और कॉफी के बागानों के लिए काफी फेमस है। यह पर आपको झरने से लेकर ट्रेकिंग, मंदिर और ऐतिहासिक किले देखने को मिलेंगे। यहां कई तिब्बती बस्तियां भी देखी जा सकती है। यहां पर आप स्वादिष्ट भोजन के अलावा यहां की संस्कृति का भरपूर आनंद उठा सकते हैं। इरुप्पु जलप्रपात, तडियांदामोल शिखर, नामद्रोलिंग मठ आदि यहां के प्रमुख आकर्षण के केंद्र हैं।

जोग फॉल्स

मेघालय के बाद भारत का दूसरा सबसे ऊंचा जलप्रपात जोग फॉल्स है। 253 मीटर की अविश्वसनीय ऊंचाई से झरना गिरता है। शिवमोग्गा में स्थित यह फेमस जलप्रपात सभी पर्यटकों को जरूर देखना चाहिए। यह स्थान पिकनिक और विश्राम के दिन के लिए एकदम परफेक्ट है। इसे लोग जेरसप्पा या जोगा फॉल के नाम से जानते हैं। जुलाई से मार्च महीने का समय यहां आने के लिए अच्छा रहता है। इन दिनों आप यहां पर बारिश में झरनो और हरियाली का सुखद अनुभव ले सकते हैं।

बीजापुर

बीजापुर कर्नाटक की सबसे बेहतरीन जगहों में से एक है। यहां पर आपको जामिया मस्जिद, बड़ा कमान, मलिक–ए–मैदान, गोल गुंबज के अलावा इब्राहिम रोजा रोड जैसे कई मुगल वास्तुकला से परिचित होने का मौका मिलेगा। इसके अलावा आप यहां पर शिवगिरी शिव मंदिर, गगन महल, भूतल झील, बीजापुर फोर्ट, मेहतर महल, साथ खबर के साथ काफी कुछ देख सकते हैं।

नागरहोल राष्ट्रीय उद्यान

नागरहोल राष्ट्रीय उद्यान राज्य का एक फेमस बाघ अभयारण्य है। प्रकृति प्रेमियों और पर्यटकों के लिए नागरहोल नेशनल पार्क एकदम सही है। यहां पर आप टाइगर रिजर्व के कई जानवरों की प्रजातियों और वनस्पतियों को देख सकते हैं। इस राष्ट्रीय उद्यान तक पहुंचने के लिए देश भर से यहां पहुंचते हैं। यहां पर आप वन्य जीवन और प्रकृति की सुंदरता का आनंद ले सकते हैं। इसके अलावा यहां पर आप सफारी का सफर भी कर सकते हैं।

गर्मियों में लू के प्रकोप से बचना चाहते है तो जरूर पिएं आम पन्ना

गर्मियों में आम का पन्ना हमारे देश के लोगों का सबसे पसंदीदा पेय पदार्थ है। यह पोषण का एक अच्छा स्रोत है और यह पाचन में भी सुधार करता है। इसे पीने से सेहत की कई सारी समस्याएं दूर होती हैं। यह न केवल आपको को लू से बचाता है बल्कि इसके सेवन से व्यक्ति फ्रेश और तरोताजा महसूस कर सकता है। यह स्वाद में मीठा, नमकीन और खट्टा होता है, जो मूड को फ्रेश कर सकता है। आज हम आपको इसकी रेसिपी के बारे में बताएगे जिसे आप बहुत ही कम समय में तैयार कर सकती है।

सामग्री

कच्चे आम (कैरी) – 4
जीरा पाउडर भुना – 2 चम्मच
गुड़ध्चीनी– 6 चम्मच
काला नमक – 3 चम्मच
पुदीना पत्तियां–1 चम्मच
नमक – स्वादानुसार

बनाने की विधि

1 सबसे पहले आम को अच्छे से धोएं और पानी में उबालकर इसकी गुठली मसलकर निकाल लें।

संक्षिप्त

एसबीआई का मार्च तिमाही में मुनाफा 6प्रतिशत बढ़ा, शुद्ध लाभ 19,684 करोड़ रुपये के पार

नई दिल्ली,एजेंसी। भारतीय स्टेट बैंक की हालिया फाइलिंग के अनुसार, भारतीय स्टेट बैंक (एसबीआई) ने अपने नवीनतम वित्तीय परिणामों की घोषणा करते हुए मुनाफे में वृद्धि दर्ज की है। आधिकारिक आंकड़ों के मुताबिक, एसबीआई के मार्च तिमाही के शुद्ध लाभ में छह प्रतिशत का इजाफा हुआ है। इस वृद्धि के परिणामस्वरूप, बैंक का कुल शुद्ध लाभ अब बढ़कर 19,684 करोड़ रुपये के स्तर पर पहुंच गया है।

चीनी युआन के बढ़ते प्रभाव ने बढ़ाई अमेरिका की चिंता, ट्रंप प्रशासन को मिली चेतावनी

वॉशिंगटन, अमेरिकी सीनेटरों के एक समूह ने अमेरिकी डॉलर को दुनिया की रिजर्व करेंसी का दर्जा देने के लिए एक प्रस्ताव फिर से पेश किया है। सीनेटरों ने चेतावनी दी है कि चीन, युआन के आस–पास एक दूसरी वैश्विक वित्तीय व्यवस्था बनाने की कोशिशें तेज कर रहा है। अमेरिकी सीनेटर्स के इस समूह में दोनों दलों के सांसद शामिल हैं। टेड बड और जीन शाहीन द्वारा पेश किए गए प्रस्ताव में कहा गया है कि युआन को अंतरराष्ट्रीय बनाने की बीजिंग की कोशिश से अमेरिका और उसके साथियों के लिए आर्थिक और राष्ट्रीय सुरक्षा का खतरा है। प्रस्ताव के साथ जारी एक बयान में बड ने कहा, अंतरराष्ट्रीय व्यापार में लगातार सहयोग और लगातार सफलता इस बात पर निर्भर करती है कि अमेरिकी डॉलर ग्लोबल रिजर्व करेंसी के तौर पर अपना स्टेटस बनाए रखे।श उन्होंने कहा, श्वर्षों से, चीन, अमेरिका और हमारे साझेदारों की आर्थिक और राष्ट्रीय सुरक्षा को निशाना बनाते हुए अपने वैश्विक वित्तीय असर को बढ़ाने की कोशिश कर रहा है। बड ने चेतावनी दी कि चीन को श्ग्लोबल करेंसी फ्लो को बढ़ाने और दूसरा फाइनेंशियल इंफ्रास्ट्रक्चर बनाने की इजाजत देना नीति की विफलता होगी जो दुनिया की अर्थव्यवस्था को विभाजित कर सकता है। इससे फ्री मार्केट की लगातार ग्रोथ को खतरा हो सकता है, खासकर विकासशील देशों में। उन्होंने कहा, अमेरिकी डॉलर को अंतरराष्ट्रीय स्तर पर अपनी स्थिरता और खुशहाली लाने वाली भूमिका बनाए रखनी चाहिए। शाहीन ने कहा कि डॉलर का दबदबा सीधे तौर पर अमेरिकी आर्थिक ताकत और ग्लोबल असर से जुड़ा है। उन्होंने कहा, श्अमेरिकी डॉलर को ग्लोबल रिजर्व करेंसी के तौर पर बनाए रखना न सिर्फ अमेरिकी अर्थव्यवस्था की लंबे समय की स्थिरता और खुशहाली के लिए जरूरी है, बल्कि यह अमेरिका की राष्ट्रीय सुरक्षा बनाए रखने के लिए भी बहुत जरूरी है। इसमें अंतरराष्ट्रीय मुद्रा कोष (आईएमएफ) के डेटा का जिक्र है, जिससे पता चलता है कि 1999 में ग्लोबल करेंसी रिजर्व में डॉलर का हिस्सा लगभग 71 फीसदी था, लेकिन 2025 की तीसरी तिमाही तक यह घटकर 56.82 फीसदी रह गया। इसी समय के दौरान चीनी युआन का हिस्सा 1.93 फीसदी था। अमेरिकी सांसदों ने चीन पर नॉन–मार्केट, फिक्स्ड एक्सचेंज रेट बनाए रखने का भी आरोप लगाया गया है। इससे युआन की कीमत कम रहती है और व्यापार में असंतुलन पैदा होता है। सांसदों ने चीन के बेल्ट एंड रोड इनिशिएटिव की ओर इशारा किया, जिसके बारे में उन्होंने कहा कि इससे विकासशील देशों में चीनी कैपिटल पर निर्भरता बढ़ गई है। प्रस्ताव में कहा गया है कि बीजिंग ने 2013 से इस इनिशिएटिव के तहत दुनिया भर में 1 खरब डॉलर से ज्यादा का निवेश किया है। प्रस्ताव में कहा गया है कि 1,700 से ज्यादा बैंकों ने चीन के क्रॉस–बॉर्डर इंटरबैंक पेमेंट सिस्टम या सीआईपीएस को सब्सक्राइब किया है, जिसे वह स्विफ्ट फाइनेंशियल मैसेजिंग सिस्टम का विकल्प बताता है। चेतावनी दी गई है कि ताइवान से जुड़े किसी संकट या हिंद–प्रशांत शिपिंग लेन में रुकावट की स्थिति में चीन की पैरेलल फाइनेंशियल सिस्टम बनाने की कोशिशों से पश्चिमी देशों का असर कमजोर हो सकता है। प्रस्ताव में कहा गया है कि अमेरिका को जरूरी इलाकों के साथ आर्थिक संबंध मजबूत करने चाहिए और बीजिंग के वित्तीय असर का मुकाबला करते हुए विकासशील देशों में ग्रोथ और स्थिरता को बढ़ावा देने के लिए सहयोगियों के साथ काम करना चाहिए।

शेयर बाजार में गिरावट, सेंसेक्स 400 अंक फिसला, निफ्टी 24200 के नीचे

मुंबई,एजेंसी। घरेलू शेयर बाजार में हफ्ते के आखिरी कारोबारी दिन बिकवाली दिख रही है। प्रमुख बेंचमार्क सूचकांक लाल निशान पर हैं। शुरुआती कारोबार में सेंसेक्स 353.50 अंक गिरकर 77,491.02 पर आ गयाय निफ्टी 109.25 अंक गिरकर 24,225.20 पर पहुंच गया। बाजार में गिरावट का कारण बैंकिंग शेयरों में बिकवाली है। शुरुआती कारोबार में रुपया अमेरिकी डॉलर के मुकाबले 36 पैसे गिरकर 94.58 पर आ गया। पश्चिम एशिया में बढ़ते भू–राजनीतिक तनाव और तेल की बढ़ती कीमतों के कारण निवेशकों की भावना पर भारी असर पड़ने से शुक्रवार को शुरुआती कारोबार में शेयर बाजारों में गिरावट आई।विदेशी निधियों की निकासी और वैश्विक बाजारों में कमजोर रुझान ने निवेशकों के विश्वास को और भी कमजोर कर दिया। शुरुआती कारोबार में 30 शेयरों वाला बीएसई सेंसेक्स 353.50 अंक गिरकर 77,491.02 पर आ गया। वहीं, 50 शेयरों वाला एनएसई निफ्टी 109.25 अंक गिरकर 24,225.20 पर पहुंच गया। बीएसई का बेंचमार्क 536.66 अंक गिरकर 77,331.75 पर आ गया, जबकि निफ्टी 166.95 अंक गिरकर 24,170.80 पर कारोबार कर रहा था। सेंसेक्स की 30 कंपनियों में से महिंद्रा एंड महिंद्रा, एक्सिस बैंक, एचडीएफसी बैंक, इटरनल, बजाज फाइनेंस और टाटा स्टील पिछड़ने वाली कंपनियों में शामिल थीं। एशियन पेंट्स, टेक महिंद्रा, अदानी पोर्ट्स और एचसीएल टेक विजेताओं में शामिल थे।

वेपिंग–हनीट्रैप को लेकर चेतावनी, नियम तोड़ने पर कड़ा एक्शन तय

मुंबई,एजेंसी। भारतीय क्रिकेट बोर्ड (बीसीसीआई) ने गुरुवार को आईपीएल की 10 फ्रेंचाइजी के लिए आठ पन्नों का निर्देश जारी किया, जिसमें मानक संचालन प्रक्रियाओं (एसओपी) को निर्धारित करते समय प्रोटोकॉल के कुछ गंभीर उल्लंघनों के बारे में चिंता व्यक्त की गई है, जिनका निकट भविष्य में सख्ती से पालन करना जरूरी होगा। बीसीसीआई सचिव देवजीत सैकिया ने 10 फ्रेंचाइजी के सीईओ को जो पत्र लिखा है, उसकी एक प्रति न्यूज एजेंसी पीटीआई ने जारी की है। सैकिया ने पत्र में कहा है, श्मौजूदा सत्र के दौरान कुछ घटनाओं को देखते हुए यह सलाह जारी की गई है और इसका उद्देश्य आईपीएल से जुड़े सभी हितधारकों से अपेक्षित पेशेवरपन, अनुशासन, सुरक्षा जागरूकता और प्रोटोकॉल का पालन करने के मानकों को मजबूत करना है।श बीसीसीआई की भ्रष्टाचार रोधी एवं सुरक्षा इकाई (एसीएसयू) ने उल्लंघनों के कुछ मामलों की रिपोर्ट की है और बोर्ड ने इनकी ओर इशारा करते हुए स्थिति को स्पष्ट किया है। सैकिया ने कहा, श्बीसीसीआई के संज्ञान में आया है कि मौजूदा आईपीएल सत्र के दौरान खिलाड़ियों, सहयोगी स्टाफ के सदस्यों और टीम अधिकारियों से जुड़े दुर्व्यवहार और प्रोटोकॉल उल्लंघन की कुछ घटनाएं हुई हैं। यदि इन घटनाओं पर ध्यान नहीं दिया गया, तो टूर्नामेंट, संबंधित फ्रेंचाइजी और शासी निकाय के रूप में बीसीसीआई की प्रतिष्ठा को गंभीर नुकसान पहुंच सकता है। इससे व्यक्तियों और फ्रेंचाइजी को गंभीर कानूनी दायित्व और सुरक्षा जोखिमों का सामना करना पड़ सकता है। बीसीसीआई की मुख्य चिंता खिलाड़ियों के होटल के कमरों में 'अनधिकृत व्यक्तियों' के आने को लेकर है।

पत्र में कहा गया है, श्यह देखा गया है कि कुछ खिलाड़ियों और सहयोगी स्टाफ के सदस्यों ने संबंधित आईपीएल फ्रेंचाइजी टीम के मैनेजर की जानकारी या अनुमति के बिना अनधिकृत व्यक्तियों को होटल के अपने कमरों में प्रवेश करने की अनुमति दी है। कई मामलों में टीम मैनेजर को ऐसे मेहमानों की उपस्थिति के बारे में बिल्कुल भी पता नहीं था। इस चलन को तत्काल प्रभाव से सख्ती से प्रतिबंधित किया जाता है। सभी खिलाड़ियों और सहयोगी स्टाफ के सदस्यों को भी तीन सूत्रीय निर्देश दिए गए हैं, जिनका पालन करना आवश्यक होगा। किसी भी व्यक्ति को, चाहे उसकी पहचान कुछ भी हो या टीम के सदस्य से उसका संबंध कुछ भी हो या उसका घोषित उद्देश्य कुछ भी हो, टीम मैनेजर की पूर्व सूचना और स्पष्ट लिखित स्वीकृति के बिना खिलाड़ी या सहायक स्टाफ सदस्य के होटल के कमरे में प्रवेश करने की अनुमति नहीं दी जाएगी। अतिथियों और आगंतुकों का स्वागत केवल होटल के निर्दिष्ट सार्वजनिक स्थल जैसे लॉबी या होटल 'रिसेप्शन लाउंज' में ही किया जाएगा। किसी भी अतिथि को होटल के निजी कमरों में तब तक नहीं ले जाया जाएगा जब तक कि टीम मैनेजर ने इसके लिए लिखित रूप में विशेष अनुमति न दी हो।

बीसीसीआई सभी फ्रेंचाइजी का ध्यान शीर्ष स्तर की खेल प्रतियोगिताओं में लक्षित यौन शोषण और 'हनी ट्रैपिंग' (सुनियोजित जासूसी या ब्लैकमेलिंग का तरीका, जिसमें किसी व्यक्ति को प्रेम, यौन आकर्षण या भावनात्मक प्रलोभन में फंसाया जाता है) के जोखिमों की ओर आकर्षित करता है। यौन दुर्व्यवहार से जुड़े भारतीय कानूनों के अंतर्गत गंभीर कानूनी आरोपों को जन्म देने वाली घटनाओं की संभावना को नजरअंदाज नहीं किया जा सकता है। आईपीएल फ्रेंचाइजी को ऐसे जोखिमों को कम करने के लिए हर समय सतर्क और सक्रिय रहना चाहिए। इसमें कहा गया है कि फ्रेंचाइजी मालिकों से इन निर्देशों का सख्ती से पालन करने की अपेक्षा की जाती है। इसमें उन अज्ञात टीम मालिकों द्वारा किए गए उल्लंघनों का भी जिक्र किया गया है जिन्होंने खिलाड़ियों और मैच अधिकारियों की पहुंच वाले क्षेत्रों की (पीएमओए) की पवित्रता को नहीं बनाए रखा है। बीसीसीआई इस पर चिंता व्यक्त करता है कि कुछ आईपीएल फ्रेंचाइजी मालिकों ने प्रोटोकॉल का पालन नहीं किया है। विशेष रूप से ऐसे मामले सामने आए हैं जिनमें आईपीएल फ्रेंचाइजी मालिक मैच के दौरान खिलाड़ियों से बातचीत करने, उनके पास जाने, उन्हें गले लगाने या किसी अन्य प्रकार से शारीरिक रूप से संपर्क करने का प्रयास करते हैं। भले ही ऐसा व्यवहार सद्भावना से किया गया हो, लेकिन यह प्रोटोकॉल का सीधा उल्लंघन है और टीम की कार्यप्रणाली और मैच के संचालन में हस्तक्षेप माना जा सकता है।

इस संबंध में टीम मालिकों के लिए तीन सूत्री दिशानिर्देश भी हैं। असम के क्रिकेटर और राजस्थान रॉयल्स के कप्तान रियान पराग का मैच के दौरान ड्रेसिंग रूम में वेपिंग (ई–सिगरेट का सेवन) करने से न केवल फ्रेंचाइजी बल्कि बीसीसीआई को भी काफी बदनामी झेलनी पड़ी है। सैकिया ने रियान का नाम लिए बिना लिखा है, ड्रेसिंग रूम और टूर्नामेंट स्थलों के अन्य प्रतिबंधित क्षेत्रों में वेपिंग के मामलों को बीसीसीआई के संज्ञान में लाया गया है। इस पर गौर किया जाना चाहिए की भारतीय कानून के तहत ई–सिगरेट प्रतिबंधित हैं।

सैकिया ने लिखा, आयोजन स्थल के परिसर के भीतर इस तरह के आचरण में लिप्त पाए जाने वाला कोई भी व्यक्ति न केवल बीसीसीआई और आईपीएल के नियमों का उल्लंघन कर रहा है, बल्कि वह इस संबंध में लागू कानूनों के अंतर्गत अपराध भी कर रहा है। इसलिए आईपीएल टूर्नामेंट से जुड़े सभी स्थलों (ड्रेसिंग रूम, डगआउट, टीम होटल और अभ्यास क्षेत्र) में वेपिंग, ई–सिगरेट और सभी प्रतिबंधित पदार्थों का उपयोग करने पर सख्त प्रतिबंधा है। बीसीसीआई ने टीम मैनेजरों और फ्रेंचाइजी अधिकारियों को एक और नई जिम्मेदारी दी है। उन्हें 48 घंटे के भीतर पूरी टीम की मीटिंग करानी होगी, जिसमें खिलाड़ियों और स्टाफ को नए नियम समझाए जाएंगे। साथ ही सभी से लिखित पुष्टि भी ली जाएगी कि वे इन नियमों का पालन करेंगे।

इंस्टाग्राम पर कई सेलिब्रिटीज के अचानक घटे लाखों फॉलोअर्स, वजह जानकर चौंक जाएंगे

नई दिल्ली,एजेंसी। सोशल मीडिया के दौर में लोकप्रियता सिर्फ मैदान, फिल्मों या मंच तक सीमित नहीं रह गई है। आज स्टारडम का बड़ा पैमाना इंस्टाग्राम फॉलोअर्स बन चुके हैं। क्रिकेट में विराट कोहली, फुटबॉल में क्रिस्टियानो रोनाल्डो और लियोनल मेसी से लेकर मनोरंजन जगत में प्रियंका चोपड़ा और काइली जेनर जैसे नाम करोड़ों लोगों की पसंद माने जाते हैं। हालांकि, अब इंस्टाग्राम की एक बड़ी कार्रवाई ने इस चमकदार दुनिया के पीछे की सच्चाई पर सवाल खड़े कर दिए हैं। फेक अकाउंट्स और बॉट्स हटाने के अभियान के बाद कई बड़े खिलाड़ियों और सितारों के लाखों फॉलोअर्स अचानक कम हो गए हैं। खेल जगत में विराट कोहली और क्रिस्टियानो रोनाल्डो सोशल मीडिया के सबसे बड़े चेहरों में गिने जाते हैं। विराट दुनिया के सबसे लोकप्रिय क्रिकेटरों में शामिल हैं, जबकि रोनाल्डो इंस्टाग्राम पर सबसे ज्यादा फॉलो किए जाने वाले एथलीट्स में से एक हैं। इंस्टाग्राम की सफाई के बाद इन बड़े नामों के फॉलोअर्स में कमी की खबर ने चर्चा तेज कर दी है। इससे यह सवाल उठ रहा है कि सोशल मीडिया पर दिखने वाली लोकप्रियता का कितना हिस्सा असली है और कितना कृत्रिम। कोहली, जिनकी इंस्टाग्राम पर फॉलोइंग कुछ समय पहले तक 27.6 करोड़ से ज्यादा थी, अब फेक अकाउंट्स हटाने के बाद 27.3 करोड़ हो चुकी है। वहीं, रोनाल्डो, जिनके इंस्टाग्राम पर कुछ समय तक 67.3 करोड़ फॉलोअर्स थे, अब 66.4 करोड़ हो चुके हैं। इसी प्रक्रिया के दौरान लियोनल मेसी के अकाउंट के फॉलोअर्स भी 51.2 करोड़ से घटकर 50.7 करोड़ रह गए। यही हाल बॉलीवुड और हॉलीवुड फिल्मी सितारों का भी है। रिपोर्ट्स के मुताबिक प्रियंका चोपड़ा, काइली जेनर, एलेन डीजेनरेस जैसे कई बड़े नाम भी इस सफाई अभियान से प्रभावित हुए हैं।

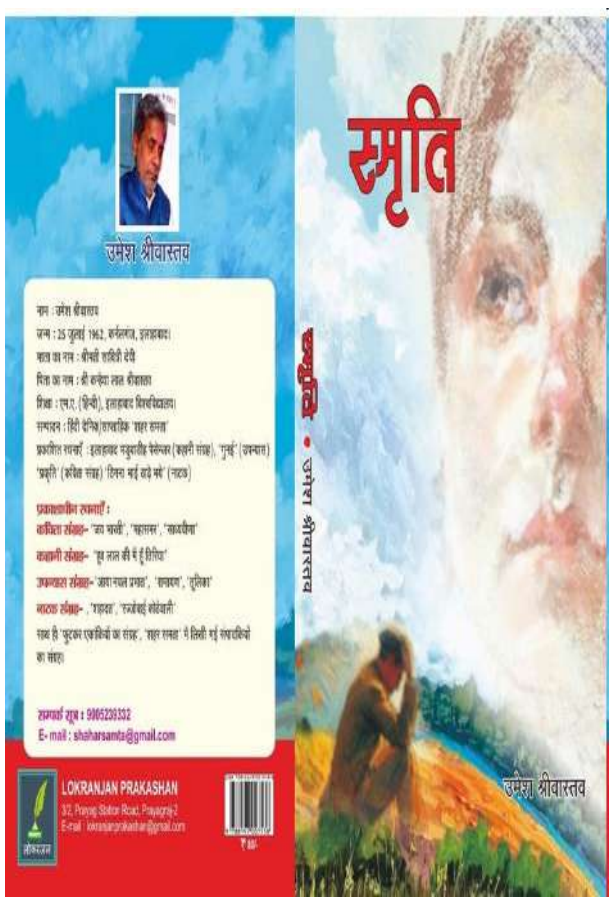

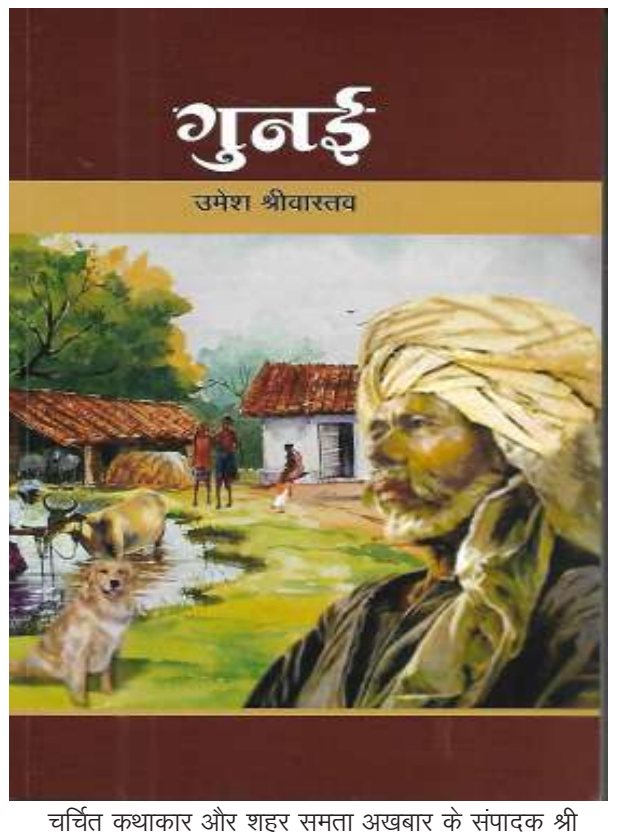

चर्चित कथाकार और शहर समता अखबार के संपादक श्री उमेश श्रीवास्तव जी का ग्रामीण पृष्ठभूमि पर लिखा बहु प्रतीक्षित

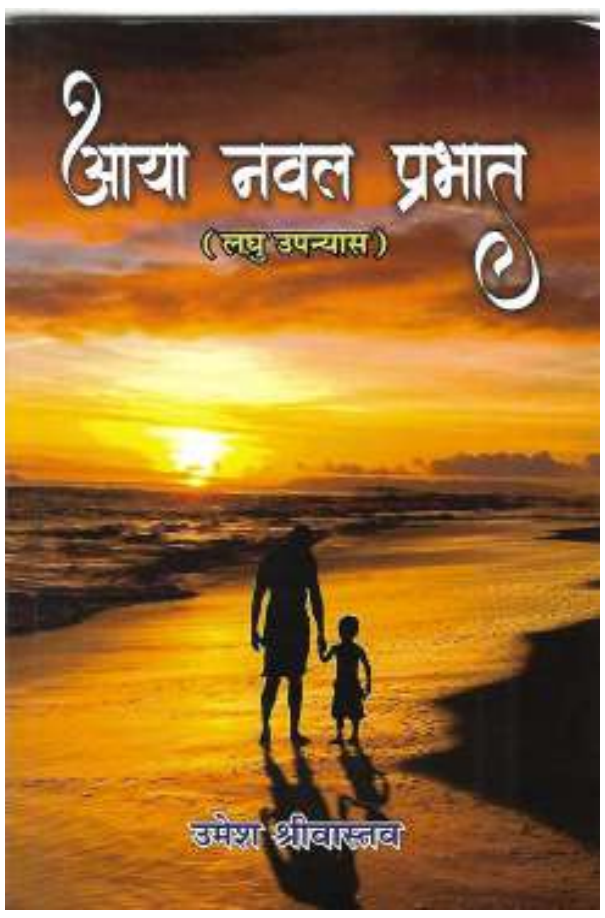

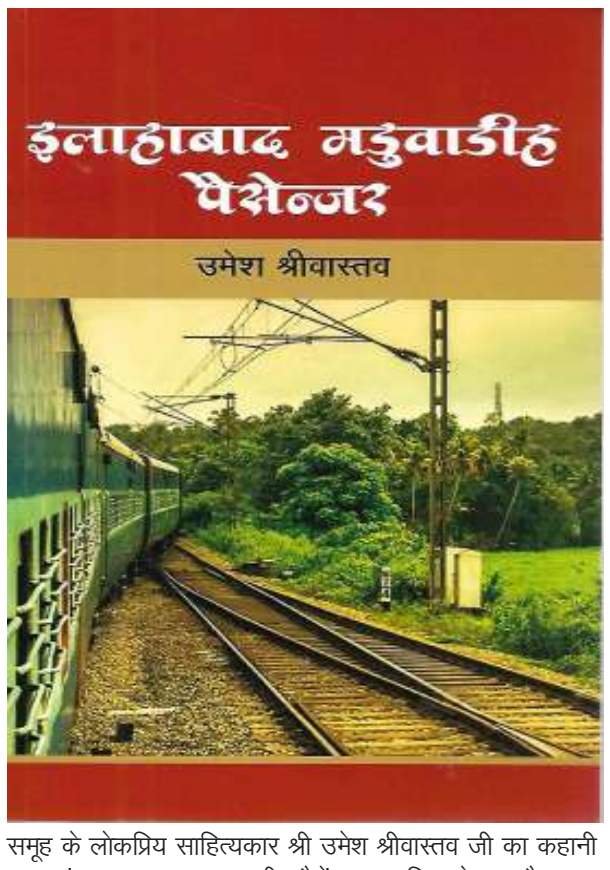

समूह के लोकप्रिय साहित्यकार श्री उमेश श्रीवास्तव जी का कहानी संग्रह इलाहाबाद मडुवाडीह पैसेंजर प्रकाशित हो गया है। उमेश श्रीवास्तव जी को बहुत बधाई एवम शुभकामना।

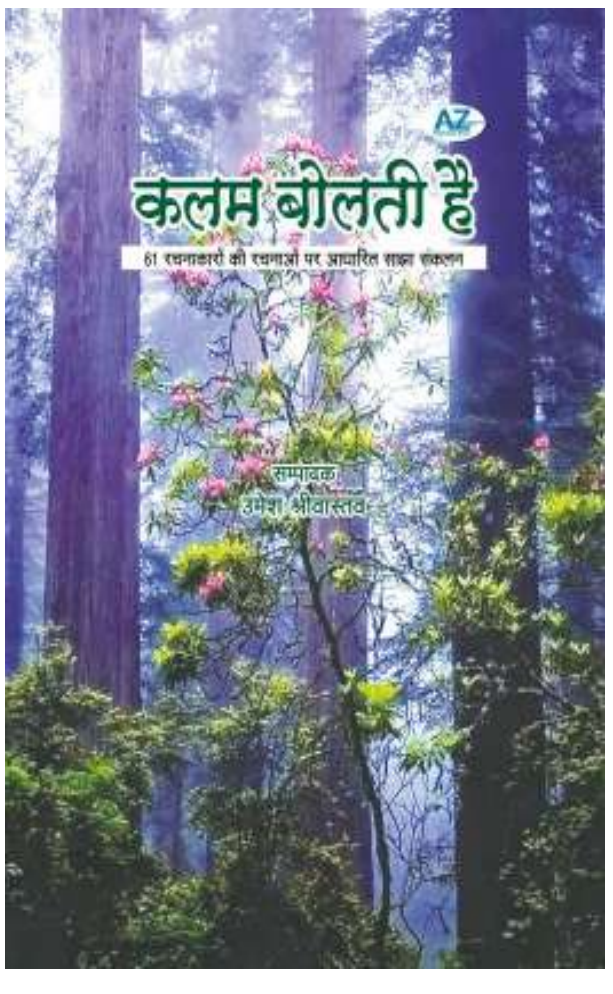

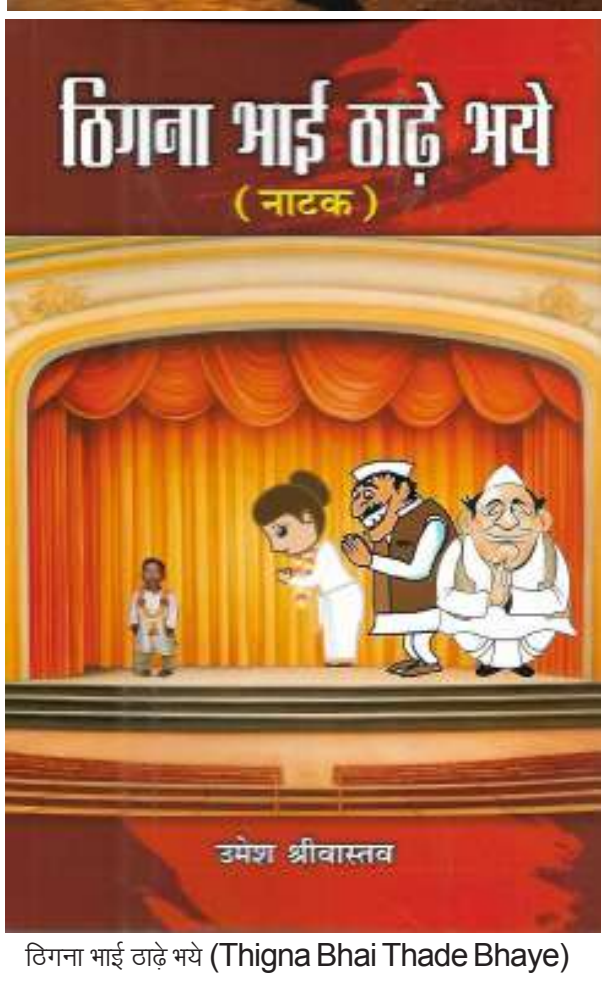

ठिगना भाई ठाढ़े भये (Thigna Bhai Thade Bhaye)

संक्षिप्त

संसाधनों से लेकर भूगोल तक का हो रहा हथियारीकरण', बदलती विश्व व्यवस्था पर जयशंकर ने जताई चिंता

एजेंसी/विदेश मंत्री एस जयशंकर ने वैश्विक राजनीति और अर्थव्यवस्था में तेजी से बदलते समीकरणों को लेकर

चिंता जताई। उन्होंने कहा कि आज दुनिया में वित्त, संसाधनों, तकनीक, कनेक्टिविटी और भूगोल तक को हथियार की तरह इस्तेमाल किया जा रहा है। सूरीनाम समाज के विभिन्न वर्गों के प्रतिनिधियों को संबोधित करते हुए उन्होंने कहा कि बड़ी शक्तियां अब बाजार, संसाधनों और प्रभाव का इस्तेमाल अपने रणनीतिक हितों को साधने के लिए कर रही हैं। विदेश मंत्री कैरेबियन के तीन देशों के चल रहे दौरे पर हैं, जो 2 से 10 मई तक चलेगा। अब दुनिया पहले जैसी नहीं रही जयशंकर ने कहा कि दुनिया अब पहले जैसी नहीं रही और वैश्विक शक्ति संतुलन तेजी से बदल रहा है। उन्होंने उदाहरण देते हुए कहा कि कभी अमेरिका को ऊर्जा आयातक देश माना जाता था, लेकिन अब वह दुनिया के सबसे बड़े ऊर्जा निर्यातकों में शामिल हो गया है, जिसका वैश्विक नीतियों पर बड़ा असर पड़ा है। उन्होंने कहा कि दुनिया एक ऐसे नए दौर में प्रवेश कर चुकी है, जहां जोखिम लेने की प्रवृत्ति बढ़ी है और अनिश्चितता पहले से कहीं अधिक हो गई है। बदली व्यवस्था में साझेदारी बेहद महत्वपूर्ण है विदेश मंत्री ने कहा कि भारत और सूरीनाम जैसे देश एक अधिक समावेशी और संतुलित वैश्विक व्यवस्था देखना चाहते हैं। उन्होंने कहा कि बदलती विश्व व्यवस्था में भरोसेमंद साझेदारी और वैश्विक सहयोग की भूमिका पहले से ज्यादा महत्वपूर्ण हो गई है। कोविड महामारी का जिक्र करते हुए जयशंकर ने कहा कि उस समय कई देशों ने वैक्सीन का जमाखोरी की थी। उन्होंने बिना किसी देश का नाम लिए कहा कि एक विकसित देश ने अपनी आबादी से आठ गुना ज्यादा वैक्सीन जमा कर ली थी। इसके विपरीत भारत ने वैश्विक जिम्मेदारी निभाते हुए बड़ी संख्या में देशों और अंतरराष्ट्रीय पहलों को वैक्सीन उपलब्ध कराई। उन्होंने कहा कि एक अच्छे साझेदार की पहचान यही है कि वह अपने राष्ट्रीय हितों और वैश्विक कल्याण के बीच संतुलन बनाए। जयशंकर ने कहा कि भारत ने महामारी के दौरान यही दृष्टिकोण अपनाया और जरूरतमंद देशों की मदद के लिए आगे आया। आईएमएफ अनुमान को लेकर क्या बोले? एस जयशंकर ने कहा कि अंतरराष्ट्रीय मुद्रा कोष (IMF) के अनुमान के अनुसार इस वर्ष वैश्विक आर्थिक वृद्धि में भारत का योगदान 17 प्रतिशत रहेगा। जयशंकर ने कहा कि भारत दुनिया की सबसे तेजी से बढ़ती बड़ी अर्थव्यवस्था बना हुआ है और वैश्विक विकास को गति देने में अहम भूमिका निभा रहा है। IMF के आंकड़ों का हवाला देते हुए उन्होंने बताया कि 2026 में वास्तविक वैश्विक जीडीपी वृद्धि में भारत का योगदान सबसे अधिक रहने का अनुमान है। उन्होंने कहा कि भारत इस मामले में अमेरिका से भी आगे है। IMF के अनुसार, वैश्विक वास्तविक जीडीपी वृद्धि में अमेरिका का योगदान 9.9 प्रतिशत रहने का अनुमान है, जबकि भारत 17 प्रतिशत हिस्सेदारी के साथ शीर्ष योगदानकर्ताओं में शामिल है।

ट्रंप को बड़ा झटका!: अमेरिकी अदालत ने खारिज किया नया टैरिफ आदेश, कहा- व्यापार कानून का हुआ गलत इस्तेमाल

वाशिंगटन,एजेंसी। अमेरिका में राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप की टैरिफ नीति को बड़ा झटका लगा है। अमेरिकी संघीय व्यापार अदालत ने ट्रंप प्रशासन द्वारा लगाए गए नए वैश्विक आयात शुल्क को खारिज कर दिया है। अदालत ने कहा कि ट्रंप प्रशासन ने 1974 के ट्रेड एक्ट के तहत मिली सीमित शक्तियों का गलत इस्तेमाल किया और कानून से बाहर जाकर 10 प्रतिशत आयात अधिभार (इंपोर्ट सरचार्ज) लगाने की कोशिश की। व्यापार अधिनियम कानून क्यों बनाया गया था? अमेरिकी कोर्ट ऑफ इंटरनेशनल ट्रेड ने 2–1 के फैसले में कहा कि ट्रंप प्रशासन 1974 के व्यापार अधिनियम की धारा 122 का इस्तेमाल व्यापक व्यापार घाटे और चालू खाता घाटे के आधार पर नहीं कर सकता। अदालत के मुताबिक, यह कानून 1970 के दशक की विशेष बैलेंस ऑफ पेमेंट्स यानी भुगतान संतुलन संकट से निपटने के लिए बनाया गया था, न कि आधुनिक दौर के सामान्य व्यापार घाटे के लिए। जज मार्क ए. बार्नेट और क्लेयर आर. केली ने अपने फैसले में कहा कि ट्रंप की घोषणा यह साबित करने में विफल रही कि कानून के जरिए आवश्यक शर्तें पूरी हुई हैं। बता दें कि राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने फरवरी में ये टैरिफ लगाए थे। अदालत ने यह भी चेतावनी दी कि अगर राष्ट्रपति को इतनी व्यापक व्याख्या की अनुमति दे दी जाए, तो उन्हें लगभग असीमित टैरिफ लगाने की शक्ति मिल जाएगी। कोर्ट ने कहा कि ऐसा करना संवैधानिक सवाल खड़ा कर सकता है, क्योंकि टैरिफ और व्यापार नीति तय करने का अधिकार मुख्य रूप से कांग्रेस के पास है। दरअसल, इस साल की शुरुआत में अमेरिकी सुप्रीम कोर्ट ने ट्रंप की पहले वाली टैरिफ व्यवस्था को भी खारिज कर दिया था, जिसे उन्होंने आपातकालीन शक्तियों वाले कानून के तहत लागू किया था। इसके बाद फरवरी में ट्रंप ने धारा 122 का इस्तेमाल करते हुए नया टैरिफ लागू किया। यह प्रावधान राष्ट्रपति को अधिकतम 150 दिनों के लिए 15 प्रतिशत तक अस्थायी आयात शुल्क लगाने की अनुमति देता है।

आवश्यकता है

उत्तर प्रदेश राज्य के प्रयागराज जिले से प्रकाशित समाचार पत्र को समस्त जनपदों में एवम तहसील व ब्लॉक/शहर में ब्यूरो प्रमुख, चीफ रिपोर्टर, संवाददाता, प्रतिनिधि मण्डल की अवश्यकता है जिन्हे आकर्षण वेतन और भत्ते आदि सुविधा उपलब्ध कराई जाएगी।

सम्पर्क सूत्र
शहर समता हिन्दी दैनिक/साप्ताहिक समाचार पत्र
मोबाईल नम्बर 9190052 39332
919450482227

डॉलर के दबदबे को चुनौती: चीनी युआन के बढ़ते प्रभाव ने बढ़ाई अमेरिका की चिंता, ट्रंप प्रशासन को मिली चेतावनी

वॉशिंगटन , एजेंसी। अमेरिकी सीनेटरों के एक समूह ने अमेरिकी डॉलर को दुनिया की रिजर्व करेंसी का दर्जा देने के लिए एक प्रस्ताव फिर से पेश किया है। सीनेटरों ने चेतावनी दी है कि चीन, युआन के आस–पास एक दूसरी वैश्विक वित्तीय व्यवस्था बनाने की कोशिशें तेज कर रहा है। अमेरिकी सीनेटर्स के इस समूह में दोनों दलों के सांसद शामिल हैं। टेड बड और जीन शाहीन द्वारा पेश किए गए प्रस्ताव में कहा गया है कि युआन को अंतरराष्ट्रीय बनाने की बीजिंग की कोशिश से अमेरिका और उसके साथियों के लिए आर्थिक और राष्ट्रीय सुरक्षा का खतरा है। अमेरिकी सांसदों ने युआन के बढ़ते प्रभाव पर क्या कहा? प्रस्ताव के साथ जारी एक बयान में बड ने कहा, श्अंतरराष्ट्रीय व्यापार में लगातार सहयोग और लगातार सफलता इस बात पर निर्भर करती है कि अमेरिकी डॉलर ग्लोबल रिजर्व करेंसी के तौर पर अपना स्टेटस बनाए रखे।श उन्होंने कहा, श्वर्षों से, चीन, अमेरिका और हमारे साझेदारों की आर्थिक और राष्ट्रीय सुरक्षा को निशाना बनाते हुए अपने वैश्विक वित्तीय असर को बढ़ाने की कोशिश कर रहा है।श बड ने चेतावनी दी कि चीन को श्ग्लोबल करेंसी फ्लो को बढ़ाने और दूसरा फाइनेंशियल इंफ्रास्ट्रक्चर बनाने की इजाजत देना नीति की विफलता होगी जो दुनिया की अर्थव्यवस्था को विभाजित कर सकता है। इससे फ्री मार्केट की लगातार ग्रोथ को खतरा हो सकता है, खासकर विकासशील देशों में।श उन्होंने कहा, अमेरिकी डॉलर को अंतरराष्ट्रीय स्तर पर अपनी स्थिरता और खुशहाली लाने वाली भूमिका बनाए रखनी चाहिए। डॉलर का दबदबा, अमेरिकी ताकत से जुड़ाश शाहीन ने कहा कि डॉलर का दबदबा सीधे तौर पर अमेरिकी आर्थिक ताकत और ग्लोबल असर से जुड़ा है। उन्होंने कहा, श्अमेरिकी डॉलर को ग्लोबल रिजर्व करेंसी के तौर पर बनाए रखना न सिर्फ अमेरिकी अर्थव्यवस्था की लंबे समय की स्थिरता और खुशहाली के लिए जरूरी है, बल्कि यह अमेरिका की राष्ट्रीय सुरक्षा बनाए रखने के लिए भी बहुत जरूरी है।श इसमें अंतरराष्ट्रीय मुद्रा कोष (आईएमएफ) के डेटा का जिक्र है, जिससे पता चलता है कि 1999 में ग्लोबल करेंसी रिजर्व में डॉलर का हिस्सा लगभग 71 फीसदी था, लेकिन 2025 की तीसरी तिमाही तक यह घटकर 56.82 फीसदी रह गया। इसी समय के दौरान चीनी युआन का हिस्सा 1.93 फीसदी था। कैसे बढ़ रहा युआन का दबदबा? अमेरिकी सांसदों ने चीन पर नॉन–मार्केट, फिक्स्ड एक्सचेंज रेट बनाए रखने का भी आरोप लगाया गया है। इससे युआन की कीमत कम रहती है और व्यापार में असंतुलन पैदा होता है। सांसदों ने चीन के बेल्ट एंड रोड इनिशिएटिव की ओर इशारा किया, जिसके बारे में उन्होंने कहा कि इससे विकासशील देशों में चीनी कैपिटल पर निर्भरता बढ़ गई है। प्रस्ताव में कहा गया है कि बीजिंग ने 2013 से इस इनिशिएटिव के तहत दुनिया भर में 1 खरब डॉलर से ज्यादा का निवेश किया है। प्रस्ताव में कहा गया है कि 1,700 से ज्यादा बैंकों ने चीन के क्रॉस–बॉर्डर इंटरबैंक पेमेंट सिस्टम या सीआईपीएस को सब्सक्राइब किया है, जिसे वह स्विफ्ट फाइनेंशियल मैसेजिंग सिस्टम का विकल्प बताता है। चेतावनी दी गई है कि ताइवान से जुड़े किसी संकट या हिंद–प्रशांत शिपिंग लेन में रुकावट की स्थिति में चीन की पैरेलल फाइनेंशियल सिस्टम बनाने की कोशिशों से पश्चिमी देशों का असर कमजोर हो सकता है। प्रस्ताव में कहा गया है कि अमेरिका को जरूरी इलाकों के साथ आर्थिक संबंध मजबूत करने चाहिए और बीजिंग के वित्तीय असर का मुकाबला करते हुए विकासशील देशों में ग्रोथ और स्थिरता को बढ़ावा देने के लिए सहयोगियों के साथ काम करना चाहिए।

अमेरिका: डॉक्टरों की कमी के बीच ट्रंप प्रशासन का बड़ा फैसला, आव्रजन आवेदनों पर लगी रोक हटाई

मोंटगोमरी, एजेंसी। अमेरिका ने डॉक्टरों के लिए आव्रजन (इमिग्रेशन) आवेदनों पर लगाई गई रोक हटा दी है। हालांकि, अन्य आवेदक अभी भी इंतजार में हैं। लीबिया के डॉक्टर फैसल अलधौला को ग्रीन कार्ड का नवीनीकरण करने की जरूरत है, ताकि वह देश के दक्षिण पश्चिम राज्य इंडियाना में करीब एक हजार मरीजों का इलाज जारी रख पाएं। लेकिन डोनाल्ड ट्रंप प्रशासन की ओर से लगी इस रोक के कारण उनका आवेदन अटका हुआ था। अगर अलधौला का आवेदन खारिज हो जाता है, तो उनका मौजूदा वीजा सितंबर में खत्म हो जाएगा। हाल ही में ट्रंप प्रशासन ने डॉक्टरों के वीजा और ग्रीन कार्ड मामलों की समीक्षा फिर से शुरू करने की अनुमति दी है, जिससे अलधौला का मामला आगे बढ़ सकता है। हालांकि मंजूरी की कोई गारंटी नहीं है। डॉक्टर, संगठन और आव्रजन वकील महीनों से इस कदम की मांग कर रहे थे, क्योंकि देश में डॉक्टरों की भारी कमी है। नेशनल लाइब्रेरी ऑफ मेडिसिन ने बताया कि बड़ी तादाद में विदेशी प्रशिक्षित डॉक्टटर कम सुविधाओं वाले इलाकों में काम करते हैं। अलधौला के लिए डॉक्टरों की कमी सबसे बड़ी चिंता है, जो फेफड़ों के विशेषज्ञ (पल्मोनोलॉजिस्ट) और आईसीयू डॉक्टर हैं और इंडियाना, इलिनॉय और केंटकी के कुछ ग्रामीण इलाकों में मरीजों की सेवा करते हैं। उन्होंने कहा, यहां पल्मोनोलॉजिस्ट (फेफड़ें और श्वसन प्रणाली के विशेषज्ञ डॉक्टर) को मिलने के लिए चार से पांच महीने तक इंतजार करना पड़ता है। फिर भी आवेदकों और आव्रजन वकीलों का कहना है कि यह स्पष्ट नहीं है कि इस छूट से कितना बड़ा बदलाव आएगा। इसका मतलब केवल इतना है कि डॉक्टरों के मामलों की फिर से जांच होगी। लेकिन यह गारंटी नहीं है कि उनके ग्रीन कार्ड या वीजा को मंजूरी मिल जाएगी। यह भी साफ नहीं है कि अमेरिकी नागरिकता और आव्रजन सेवा समय पर इन आवेदनों को पूरा कर पाएगी या नहीं, ताकि अलघौला जैसे मामलों की समय–सीमा पूरी हो सके। अलधौला ने कहा कि उन्हें इसको लेकर कोई भरोसा नहीं है कि प्रशासन उनका आवेदन मंजूर करेगा। उन्होंने कहा कि पहले भी कई मामले सामने आए हैं जिनमें लोग अपने दस्तावेजों के नवीनीकरण के लिए अपॉइंटमेंट पर गए और उन्हें हिरासत में ले लिया गया। उन्होंने कहा, मुझे अभी भी अपने इंटरव्यू में जाने से डर लग रहा है। उन्होंने बताया कि वह 2016 से अमेरिका में रह रहे हैं। इस बीच, यह रोक अभी भी 39 देशों के हजारों लोगों पर लागू है, जिनमें ईरान, अफगानिस्तान और वेनेजुएला के शोधकर्ता और उद्यमी शामिल हैं। इस वजह से कई लोग न तो कानूनी रूप से काम कर पा रहे हैं, न स्वास्थ्य बीमा या ड्राइविंग लाइसेंस ले पा रहे हैं और अगर वे अमेरिका छोड़ते हैं तो वापस लौटने की अनुमति भी नहीं मिलती।

ट्रंप प्रशासन ने पिछले साल तय किया कि वह उन देशों के लोगों के ग्रीन कार्ड और वीजा आवेदनों की समीक्षा बंद करेगा, जिन्हें श्उच्च जोखिमश वाला माना गया था। इस साल उसने 75 से अधिक देशों के नागरिकों के वीजा आवेदनों की जांच भी रोक दी, क्योंकि आशंका थी कि वे सरकारी सहायता का लाभ ले सकते हैं। ये कदम अमेरिका में प्रवासियों के खिलाफ चलाए गए सख्त अभियान के बीच उठाए गए। हिंसा की घटना के बाद सख्ती बढ़ी यह रोक उस घटना के बाद लगी, जिसमें एक अफगान नागरिक ने नेशनल गार्ड के दो जवानों को गोली मार दी थी। प्रशासन ने कहा कि यह घटना दिखाती है कि ठीक से जांच, स्क्रीनिंग और तेज निर्णय न होने का क्या असर हो सकता है। एसोसिएटेड प्रेस की रिपोर्ट के मुताबिक, अमेरिका का गृह सुरक्षा विभाग आव्रजन अधिकारियों की निगरानी करता है। विभाग ने इस रोक या डॉक्टरों को दी गई छूट पर सवालों का जवाब नहीं दिया। हालांकि, उसने ईमेल में कहा कि वह यह सुनिश्चित करना चाहता है कि आवेदकों की ठीक से जांच हो, क्योंकि पिछले सरकार ऐसा करने में विफल रही थी। मेम्फिस, टेनेसी के आव्रजन वकील ग्रेग सिस्किंड ने कहा, इस समय बहुत सारी पाबंदियां और रोक लगाई जा रही हैं। इसका मकसद उन लोगों का जीवन मुश्किल बनाना है जो कानूनी रूप से यहां हैं, ताकि वे दूसरे देशों का रुख करें। यह स्पष्ट नहीं है कि इस रोक से कितने डॉक्टर प्रभावित हुए हैं। अमेरिकन एकेडमी ऑफ फैमिली फिजिशियंस के एक प्रवक्ता ने बताया कि कई डॉक्टरों ने संगठन से मदद के लिए संपर्क किया है। कुछ डॉक्टरों के आवेदन पहले ही खारिज किए जा चुके हैं। छूट मिलने से पहले कई प्रवासियों ने सरकार के खिलाफ संघीय अदालतों में मुकदमे दायर किए थे, ताकि उनके मामलों पर फैसला आ जाए। इनमें ईरान की डॉक्टर जहरा शोकरी वर्नियाब भी थीं, जो तीन साल पहले अमेरिका आई थीं, ताकि रेडियोलॉजी में शोध कर सकें। वह रेजिडेंसी प्रोग्राम में शामिल होने के लिए ग्रीन कार्ड का इंतजार कर रही थीं, लेकिन उनका आवेदन रोक के कारण अटक गया। उन्होंने अदालत में मुकदमा दायर कर अपने आवेदन पर जवाब मांगा, जिसके बाद एक संघीय न्यायाधीश ने आव्रजन अधिकारियों को उनका मामला देखने का आदेश दिया। इसके बाद अधिकारियों ने उनका मामला देखा, लेकिन उसे खारिज कर दिया। 33 वर्षीय डॉक्टर का कहना है कि उन्हें लगता है यह उनके मुकदमे के जवाब में किया गया।

यूएई पर फिर हुआ मिसाइल और ड्रोन से हमला, ईरान यद्ध को लेकर लागू संघर्षविराम पर उठे सवाल

दुबई , एजेंसी। संयुक्त अरब अमीरात (यूएई) के रक्षा मंत्रालय ने बताया कि शुक्रवार को उन पर एक बार फिर मिसाइल और ड्रोन हमले हुए, जिन्हें वायु रक्षा प्रणाली ने सफलतापूर्वक इंटरसेप्ट कर लिया। हमले में फिलहाल किसी तरह के नुकसान की खबर नहीं है। मंत्रालय ने नागरिकों से अपील की है कि वे सफल एयर इंटरसेप्शन के बाद गिरे किसी भी मलबे या टुकड़ों के पास न जाएं, उनकी तस्वीरें न लें और उन्हें हाथ न लगाएं। इससे कुछ घंटे पहले अमेरिकी सेना ने कहा कि उसने होर्मुज जलडमरूमध्य में नौसेना के तीन जहाजों पर हुए ईरानी हमलों को रोक दिया है। अमेरिकी सेना ने कहा कि उसने ईरानी सैन्य ठिकानों पर जवाबी कार्रवाई की, जो हमले के लिए जिम्मेदार थे। सेंटकॉम ने क्या कहा? अमेरिकी सेना की मध्य कमान (सेंटकॉम) ने सोशल मीडिया पर कहा कि उसकी सेना ने बिना उकसावे के हुए ईरानी हमलों को रोका और आत्मरक्षा में जवाबी हमले किए। सेंटकॉम ने कहा कि किसी भी जहाज को नुकसान नहीं पहुंचा है। साथ ही उसने यह भी कहा कि वह तनाव बढ़ाना नहीं चाहता और अमेरिकी बलों की सुरक्षा के लिए पूरी तरह तैयार है। आठ अप्रैल से लागू है अस्थायी संघर्षविराम अमेरिका और ईरान के बीच आठ अप्रैल को अस्थायी युद्ध विराम हुआ था, जो अभी तक बना हुआ है। पिछले महीने पाकिस्तान की मेजबानी में दोनों देशों के बीच आमने–सामने की बातचीत में कोई समझौत नहीं हो सकता था। यह युद्ध 28 फरवरी को शुरू हुआ था, जब अमेरिका और इस्राइल ने ईरान पर हमले किए थे।

ईरान का दावा- अमेरिका ने केश्म पोर्ट-बंदर अब्बास पर की बमबारी, तेहरान ने यूएस जहाजों पर दागे मिसाइल

वॉशिंगटन, एजेंसी। अमेरिकी सेना ने ईरान के केश्म पोर्ट और बंदर अब्बास पर हमले किए हैं। फॉक्स न्यूज की रिपोर्ट के अनुसार, एक वरिष्ठ अमेरिकी अधिकारी ने इस सैन्य कार्रवाई की पुष्टि की है। अधिकारी ने बताया कि यह हमला कुछ ही समय पहले किया गया। हालांकि, उन्होंने यह भी साफ किया कि इस कार्रवाई को पश्चिम एशिया में फिर से युद्ध शुरू होने का संकेत नहीं समझना चाहिए। अमेरिका का कहना है कि यह हमला मौजूदा युद्धविराम को खत्म करने के लिए नहीं किया गया है। अमेरिकी अधिकारी ने क्या कहा? अमेरिकी अधिकारी ने जोर देकर कहा कि यह ऑपरेशन सीमित दायरे में था। इसे दोनों पक्षों के बीच तनाव कम करने की कोशिशों के टूटने के रूप में नहीं देखा जाना चाहिए। इससे पहले ईरान के सरकारी मीडिया ने दक्षिणी ईरान में इन ठिकानों के पास कई धमाकों की जानकारी दी थी। ईरानी न्यूज चौनल श्प्रेस टीवीश के मुताबिक, केश्म के बहमन पियर पर एक बड़ा धमाका हुआ। यह धमाका उस समय हुआ जब ईरानी सशस्त्र बलों और श्दुश्मन ताकतोंश के बीच गोलीबारी चल रही थी। रिपोर्ट्स में बताया गया है कि केश्म द्वीप और बंदर अब्बास के पास कई विस्फोटों की आवाजें सुनी गईं। ईरान के सरकारी ब्रॉडकास्टर आईआरआईबी ने भी पुष्टि की कि अज्ञात हमलावरों और ईरानी सेना के बीच झड़प के दौरान बहमन पियर पर विस्फोट हुआ। ये दोनों स्थान ईरान की क्षेत्रीय सुरक्षा के लिए बहुत खास हैं। यहां से होर्मुज जलमार्ग से गुजरने वाले जहाजों पर नजर रखी जाती है।

'प्रवासन पर भारत का दृष्टिकोण समग्र और व्यावहारिक', संयुक्त राष्ट्र महासभा में बोले विदेश राज्य मंत्री

न्यूयॉर्क, एजेंसी। भारत ने संयुक्त राष्ट्र महासभा (यूएनजीए) में कहा कि वह प्रवासन के लिए एक समावेशी, मानवीय और भविष्य के लिए तैयार ढांचा बनाने की कोशिश कर रहा है। इसके अलावा, अनियमित प्रवासन और मानव तस्करी जैसी समस्याओं से भी निपट रहा है। प्रवासन सिर्फ आंकड़ा नहीं, लोगों की कहानी भी केंद्रीय मंत्री कीर्ति वर्धन सिंह ने न्यूयॉर्क में गुरुवार को ग्लोबल कॉम्पैक्ट फॉर माइग्रेशन (जीसीएम) के दूसरे अंतरराष्ट्रीय प्रवासन समीक्षा मंच (आईएमआरएफ) की पूर्ण बैठक को संबोधित किया। इस दौरान उन्होंने कहा, प्रवासन असल में लोगों, उनकी आकांक्षाओं, उनकी मेहनत और समाज में उनके योगदान के बारे में है। प्रवासन का प्रबंधन कैसे कर रहा भारत? उन्होंने कहा, हम एक ऐसा ढांचा बनाने का प्रयास कर रहे हैं, जो समावेशी, मानवीय और भविष्य के लिए हो। साथ ही अनियमित प्रवासन, मानव तस्करी और सामाजिक सुरक्षा की कमियों जैसी चुनौतियों का भी समाधान करे। सिंह ने बताया कि भारत प्रवासन को एक श्समग्र और व्यावहारिकश ढांचे (फ्रेमवर्क) के जरिये प्रबंधित करता है, जिसमें प्रवासियों की सुरक्षा, प्रवासन प्रक्रिया के हर चरण की निगरानी और अंतरराष्ट्रीय सहयोग को बढ़ावा देना शामिल है। उन्होंने कहा, भारत दुनिया के सबसे बड़े और सक्रिय प्रवासी समुदायों में से एक का घर है, जिसमें 3.4 करोड़ से अधिक लोग शामिल हैं। केंद्रीय मंत्री ने कहा, भारत वैश्विक धन प्रेषण (रेमिटेंस) प्राप्त करने वाला प्रमुख देश है, यह देखता है कि प्रवासन जीवन, समुदायों और राष्ट्रों को कैसे बदल सकता है। सुरक्षित प्रवासन के लिए नए समझौते भारत ने अब तक 23 देशों के साथ व्यापक द्विपक्षीय आवागमन समझौते और समझौता ज्ञापन (एमओयू) पर हस्ताक्षर किए हैं और वह कई अन्य देशों के साथ भी ऐसे समझौते करने की दिशा में काम कर रहा है। इसका मकसद सुरक्षित और नियमित प्रवासन के लिए टिकाऊ मार्ग बनाना है, जिससे प्रवासियों का कल्याण सुनिश्चित हो सके। प्रवासी भारतीयों की मदद के लिए क्या कदम उठाए? मंत्री ने विदेश में रह रहे भारतीय नागरिकों की सहायता के लिए भारत की ओर से डिजिटल और तकनीकी के क्षेत्र में उठाए गए कदमों पर भी प्रकाश डाला। उन्होंने बताया कि श्मददश शिकायत निवारण पोर्टल और प्रवासी संसाधन केंद्रों के जरिये कांसुलर सुरक्षा को मजबूत किया गया है। इसके अलावा, पासपोर्ट सेवा ऑनलाइन पोर्टल के जरिये देश और विदेश में भारतीय नागरिकों को समय पर और आसान सेवाएं मिल रही हैं। भारतीय समुदाय कल्याण कोष 2009 से भारतीय नागरिकों को आपात सहायता, कानूनी मदद और स्वदेश वापसी जैसी सेवाएं प्रदान की जा रही हैं। उन्होंने कहा, हमने कौशल विकास और यात्रा से पहले दिए जाने वाले प्रशिक्षण को मजबूत किया है, ताकि प्रवासियों को उनके अधिकारों और मेजबान देश की संस्कृति की जानकारी मिल सके।

प्रतापगढ़ ब्यूरो
शरद कुमार श्रीवास्तव
7/31, अचलपुर, प्रतापगढ़

संस्थापक
स्व.कन्हैया लाल
स्व.श्रीमती साधना
सम्पादक
उमेश चंद्र श्रीवास्तव
प्रबन्ध सम्पादक
अरविन्द पाण्डेय
संयुक्त सम्पादक
अनंत श्रीवास्तव
संयुक्त सम्पादक (तकनीकी)
केशव श्रीवास्तव
विधि सलाहकार
कल्पना श्रीवास्तव

शहर समता
स्वामी/प्रकाशक/मुद्रक/सम्पादक उमेश चन्द्र श्रीवास्तव द्वारा कम्पीटेन्ट बिजनेस सर्विसेज, विष्णु पदम कुटीर 115डी/2ई लूकरगंज, इलाहाबाद से मुद्रित कराकर 289/238ए,कर्नलगंज इलाहाबाद से प्रकाशित
सम्पादक
उमेश चन्द्र श्रीवास्तव
मो.नं.9005239332
आर.एन.आई.नं.
यूपीएचआईएन/2004/22466
Email : shaharsamta@gmail.com
इस अंक में प्रकाशित समस्त समाचारों के चयन एवं सम्पादन हेतु पी.आर.बी. एक्ट के अन्तर्गत उत्तरदायी तथा इनसे उत्पन्न समस्त विवाद इलाहाबाद न्यायालय के अधीन ही होंगे।